door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 288 | गुवाहाटी | रविवार, 19 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पाकिस्तान ने अगर गलती की तो गिरेगा बुंदेलखंडी गोला : अमित शाह — पेज 2
अवैध नियुक्तियों को रद्द करने की मांग — पेज 3
कुछ दिनों में कांग्रेस विलुप्त और सपा हो जाएगी समाप्त पार्टी : राजनाथ सिंह — पेज 5
वॉर्मअप मैच खेलने का मौका नहीं मिलेगा पाक टीम को, आईसीसी ने किया... — पेज 7

पांचवें चरण के चुनाव प्रचार पर लगा ब्रेक, कल वोटिंग

नई पहल : माता-पिता के वोट डालने से बच्चों को मिलेंगे एक्सट्रा मार्क्स

अध्यापकों को भी मिलेगी डबल सैलरी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चार चरणों की वोटिंग हो चुकी है, इसी के साथ 20 मई को पाचंवे चरण का मतदान होने जा रहा है। इस बीच, चुनाव आयोग ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए एक नई पहल की है। इस दौरान वोटिंग बढ़ाने के लिए स्कूल भी योगदान दे रहे हैं। इस पहल के अनुसार माता-पिता ने यदि मतदान किया है तो उनके बच्चों को परीक्षा में 10 *एक्स्ट्रा मार्क्स* दिए जाएंगे। वहीं चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले स्कूल स्टाफ को एक दिन की अतिरिक्त सैलरी प्रदान की जाएगी। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सेंट जोसेफ कॉलेज ने पांचवे चरण में 20 मई को जिन स्टूडेंट्स के माता-पिता वोट डालने जाएंगे, उन्हें 10 अतिरिक्त नंबर दिए जाएंगे। स्कूल प्रशासन के अनुसार ये 10 नंबर किसी एक सब्जेक्ट में या फिर मिलाजुलाकर टोटल में भी जुड़ सकते हैं। यही नहीं, सेंट जोसेफ के स्टाफ के लोग चुनाव मतदान प्रक्रिया का हिस्सा बनते हैं, तो उन्हें एक दिन की *एक्स्ट्रा सैलरी* भी प्रदान की जाएगी। उधर लोक सभा चुनाव के पांचवें चरण में आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 49 सीटों तथा ओडिशा विधानसभा के दूसरे चरण के लिए 35 सीटों पर प्रचार अभियान शनिवार शाम छह बजे थम गया। इन सीटों पर मतदान सोमवार को होगा। इस चरण में 49 लोकसभा सीटों पर 695 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। इसके साथ ही ओडिशा विधानसभा की कुल 147 सीटों में से दूसरे चरण के लिए 35 सीटों पर भी इसी दिन मतदान होगा। इन सीटों पर कुल 265 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य विधानसभा के चुनाव के पहले चरण में 13 मई को -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव के समय 8,889 करोड़ की सामग्री जब्त : ईसी

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान 8,889 करोड़ रुपए की सामग्री जब्त की जा चुकी है। कुल बरामदगी में सबसे बड़ा हिस्सा 45 प्रतिशत नशीली दवाओं (ड्रग्स) का है। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि चुनाव के समय जब्ती का आंकड़ा जल्द ही 9,000 करोड़ रुपए को पार कर जाएगा। मौजूदा चुनावों में धनबल और प्रलोभनों पर चुनाव आयोग के दृढ़ और ठोस हमले के परिणामस्वरूप एजेंसियों ने 8,889 करोड़ रुपए की जब्ती की है। कुल बरामदगी में सबसे बड़ा हिस्सा 45 प्रतिशत नशीली दवाओं का है जो 3,958 करोड़ रुपए है। आयोग ने कहा कि ड्रग्स और मनोदैहिक पदार्थों सहित प्रलोभनों के खिलाफ निगरानी बढ़ी दी गई है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी जब्ती कार्रवाई हुई हैं। इसमें ड्रग्स की बरामदगी सबसे ज्यादा हुई है। ड्रग्स, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त वस्तुओं, नकदी की जब्ती -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम रिजर्वेशन पर हिमंत का लालू को जवाब, कहा-

पाकिस्तान जाइए और वहीं आरक्षण दीजिए

मुजफ्फरपुर। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के पहले प्रचार के आखिरी दिन सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी ओर से शक्ति प्रदर्शन किया। पांचवें चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एनडीए की ओर से चुनावी सभा और रोड शो का आयोजन किया गया। इस क्रम में मुजफ्फरपुर में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने भी बीजेपी के प्रत्याशी डॉ राजभूषण निषाद के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने लालू परिवार पर जोरदार हमला बोलते हुए बहुत बड़ा बयान दिया है। मुजफ्फरपुर के कटरा इलाके के यजुआर में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने जनसभा को संबोधित करते हुए लालू यादव पर खूब हमला बोला। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में भीषण आग, बच्चों ने बाहर कूदकर बचाई जान, एक घायल

कछार। असम के कछार जिले के सिलचर शहर के श्यामा प्रसाद रोड स्थित एक कोचिंग संस्थान, वसुंधरा अपार्टमेंट में आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। आग लगने के समय कई छात्र कोचिंग संस्थान में मौजूद थे। आग लगने के बाद छात्रों को पता चला कि वो नीचे नहीं जा सकते तो सभी लोग अपार्टमेंट की छत पर भाग गएवइसके बाद लोगों ने सीढ़ियों का इंतजाम किया और छात्रों को छत -शेष पृष्ठ दो पर

अब हिंदू पहले जैसा नहीं, बदल चुके हैं : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अब हिंदू पहले जैसे नहीं रहे। अब हिंदू बदल चुके हैं। भारत में धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण देना कभी भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यदि राहुल गांधी या लालू यादव मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं तो वे पाकिस्तान चले जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा शनिवार को बिहार के सिवान में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए भारत का संविधान पवित्र धर्म ग्रंथ गीता जैसा है। भारत के संविधान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने का प्रावधान है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद और भीमराव अंबेडकर ने इसमें जो प्रावधान बनाए हैं, भाजपा उसका अक्षरसः पालन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा ओबीसी को न सिर्फ आरक्षण दिया, बल्कि ओबीसी के लिए आयोग बनाकर उन्हें संवैधानिक दर्जा देने का काम भी किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने ओबीसी के कोटे से चार फीसदी आरक्षण काटकर मुसलमानों को दिया। भाजपा ऐसा कभी नहीं होने देगी।

SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

भारत के संविधान की जगह चीनी लाल किताब दिखा रहे हैं राहुल : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चीनी संविधान लोगों को दिखाने का आरोप लगाया है। डॉ. शर्मा ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए यह दावा किया कि राहुल गांधी अपनी बैठकों में लोगों को चीनी संविधान (लाल किताब) दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का आवरण नीला है। इसमें समान नागरिक संहिता के अधिनियम को अनिवार्य बताने वाले राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल हैं। डॉ. शर्मा ने इस मौलिक तत्व का विरोध करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान में नीले रंग में राज्य के नीति -शेष पृष्ठ दो पर

लोकतंत्र मेरी रगों में दौड़ता है : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के घोंडा गुजरान खादर में पार्टी के लिए अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं लोकतंत्र के लिए जीता हूं और लोकतंत्र मेरी रगों में दौड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को एक मजबूत और स्थिर सरकार की जरूरत बताते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत एक नाजुक मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि हम तीव्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए मुझे मजबूत साझेदारों की जरूरत है। मोदी ने दिल्ली की सातों सीटों पर चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि दिल्ली में हमारे उम्मीदवारों को जिताने में मदद करें और उन्हें विकसित भारत की प्राप्ति के लिए अपनी टीम बनाएं। उन्होंने कहा कि 2024 का ये चुनाव भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनाने के लिए है। देश की अर्थव्यवस्था को उन ताकतों से बचाने के लिए है, जो अपनी आर्थिक नीतियों से भारत को दिवालिया कर देना चाहती हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन को आसान बनाने और उनके जीवन में खुशियां लाने के लिए है। गरीब और मध्यम वर्ग को उन ताकतों से बचाने के लिए है, जो उनकी संपत्ति छीन लेना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के चुनावी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन दिल्ली को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म दुसरो की भलाई, और सहयोग होना चाहिए; जो एक संपन्न राष्ट्र का निर्मार्ण करता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत, दो घायल

गुवाहाटी। असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में शनिवार को एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना गुवाहाटी के बाहरी चंद्रपुर इलाके में हुई, जब चार दिहाड़ी मजदूर रेलवे पटरियों पर चल रहे थे -शेष पृष्ठ दो पर

बात माननी होगी या पार्टी से बाहर जाना होगा : खड़गे

बिफरे अधीर रंजन बोले- मैं भी हाईकमान का व्यक्ति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के साथ पार्टी के चुनाव बाद संबंधों के मुद्दे पर आलाकमान के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। दरअसल, मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को लखनऊ में एक बयान दिया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि अधीर चौधरी चुनाव के बाद सरकार के गठन में क्या होगा या नहीं, यह तय करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। इसका फैसला हाईकमान करेगा। खड़गे ने चेतावनी भरे लहजे -शेष पृष्ठ दो पर

वयोवृद्ध नेता अडवाणी मनमोहन, अंसारी ने किया घर से मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग बुजुर्ग (85 से अधिक आयु) और दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस सुविधा का लाभ देश की राजनीति में बड़े पदों पर रहने वाले वयोवृद्ध नेता भी कर रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवाणी और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने भी इस बार घर पर -शेष पृष्ठ दो पर

किर्गिस्तान हिंसा में तीन पाकिस्तानी छात्रों की हत्या, भारतीयों की जान पर भी खतरा बढ़ा

बिश्केक। किर्गिस्तान में हिंसा के चलते वहां मेडिकल स्टडी के लिए गए भारतीय और पाकिस्तानी छात्रों की जान खतरे में पड़ गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में पाकिस्तानी छात्र निशाने पर हैं और स्थानीय लोगों ने 3 पाकिस्तानी छात्रों को पीट-पीटकर मार डाला। इसलिए भारतीय छात्रों पर खतरा मंडरा रहा है क्योंकि पाकिस्तानी और भारतीय छात्र दिखने में एक जैसे लगते हैं। इन बिगड़े माहौल को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने किर्गिस्तान में रहने वाले भारतीय छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है और उन्हें घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हम भारतीय छात्रों के संपर्क में हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे घरों के अंदर ही रहें और कोई भी समस्या -शेष पृष्ठ दो पर

एस्ट्रेजेनेका की कोविड वैक्सीन में मिला एक और खतरनाक ब्लड क्लॉटिंग डिसऑर्डर

नई दिल्ली। एस्ट्राजेनेका की कोविड-19 वैक्सीन को लेकर एक और चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। एस्ट्रेजेनेका की कोविड वैक्सीन में एक और खतरनाक ब्लड क्लॉटिंग डिसऑर्डर मिला है। शोधकर्ताओं का दावा है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सहयोग से बनाई गई ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मा दिग्गज एस्ट्राजेनेका की कोविड-19 वैक्सीन-प्रेरित इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और थ्रोम्बोसिस (वीआईटीटी) के खतरे को और अधिक बढ़ाती है – वीआईटीटी एक दुर्लभ लेकिन घातक रक्त का थक्का जमने वाला विकार है। हालांकि, खून का थक्का जमाने वाला ये रेयर डिसऑर्डर (किसी-किसी को होने वाला) है, लेकिन खतरनाक है। हालांकि यह नया नहीं है, वीआईटीटी एडेनोवायरस वेक्टर-आधारित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के बाद एक नई बीमारी के रूप में उभरा – जिसे भारत में 2021 में कोविड महामारी के चरम पर कोविशील्ड और यूरोप में वैक्सजेवरिया के रूप में बेचा गया। रिसर्च के अनुसार, खतरनाक ब्लड एंटीबॉडी प्लेटलेट फैक्टर 4 (पीएफ4) वीआईटीटी के लिए जिम्मेदार है। प्लेटलेट फैक्टर 4, प्रोटीन के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

नीदरलैंड में 29 साल की महिला को मिली इच्छा मृत्यु की मंजूरी

एम्सटर्डम। नीदरलैंड में एक 29 साल की महिला को इच्छा मृत्यु की अनुमति मिल गई है। महिला का नाम जोराया टेर बीक है, जो नीदरलैंड में जर्मनी के बॉर्डर के पास रहती हैं। इच्छा मृत्यु के लिए उसने साढ़े तीन साल तक नीदरलैंड के प्रशासन को मनाने की कोशिश की। द गार्जियन के मुताबिक उसे इसी महीने इच्छा मृत्यु दी सकती है। कई सालों से ऑटिज्म और असहनीय मानसिक परेशानियों से जूझ रही जोराया कई बार खुद को मारने और चोट पहुंचाने की कोशिश कर चुकी थी। जोरायो को लगा कि उनकी समस्या का अब कोई हल नहीं है। इसके चलते उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की थी। हालाांकि, जोराया शारीरिक रूप से बिल्कुल फिट है। ऐसे में उनकी इच्छा मृत्यु को मिली मंजूरी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान में बाढ़ ने फिर मचाई तबाही, 68 की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में फिर बाढ़ से जानमाल को भारी क्षति पहुंचने की खबर है। पश्चिमी अफगानिस्तान के घोर प्रांत में मूसलधार बारिश के कारण आई बाढ़ में करीब 68 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, बाढ़ में दर्जनों लोग लापता बताए गए हैं। तालिबान के एक अधिकारी ने शनिवार कहा कि मरने वालों की संख्या प्रारंभिक रिपोर्ट पर आधारित है। जबकि घोर के गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद हमास ने कहा कि दर्जनों लोग अभी तक लापता हैं। प्रांत को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तान ने अगर गलती की तो गिरेगा बुंदेलखंडी गोला : अमित शाह

झांसी (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को झांसी में अनुराग शर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल बाबा के इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो चुका है। अब तक हुए चार चरणों के चुनाव में 270 सीटें लेकर मोदी जी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, योगी मुख्यमंत्री बने और उत्तर प्रदेश के विकास की शुरुआत हुई। एक जमाना था जब यूपी में देशी कट्टे बनते थे। लेकिन मोदी ने बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर बनाया,अब यहां तोप के गोले बनते हैं। पाकिस्तान ने अगर कोई भी गलती की, तो ये बुंदेलखंडी गोला पाकिस्तान पर गिरेगा और उसका सफाया कर देगा। उन्होंने कहा कि एक जमाने में बुंदेलखंड से बाहुबली पूरे देश में जाते थे। आप तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बना दीजिए, हमारा बुंदेलखंड यहां से बाहुबली की जगह उद्योगपति पूरे देश में भेजने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश के विकास का चुनाव है। ये चुनाव देश को सुरक्षित करने का है। ये चुनाव हमारे धर्म और संस्कृति के रक्षण का चुनाव है। ये चुनाव भारत को महान बनाने का चुनाव है। ये चुनाव देश के गरीबों का कल्याण करने का चुनाव है और ये चुनाव बुंदेलखंड की प्यास बुझाने का चुनाव है। भाजपा से लोकसभा उम्मीदवार अनुराग शर्मा को जिताने की अपील करते हुए श्री शाह ने कहा कि इस भूमि ने मुगलों के सामने भी लड़ाई लड़ी और अंग्रेजों के सामने भी लड़ाई लड़ी। अब हमारे देश में मौजूद देशी अंग्रेजों के खिलाफ भी बुंदेलखंड को लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा कि बेटे बेटियों के लिए राजनीति करने वाले देश का भला नहीं कर सकते। नरेंद्र मोदी ने 10 साल में देश को आतंकवाद से मुक्त करने का काम किया है। अमित शाह ने झांसी की जनता से कहा कि एक ओर चांदी की चम्मच के साथ पैदा हुए राहुल गांधी और अखिलेश यादव हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब चाय वाले के घर में पैदा हुए हमारे नेता नरेंद्र मोदी हैं। एक ओर रामभक्तों पर गोली चलाने वाली समाजवादी पार्टी है। वहीं दूसरी ओर राम मंदिर बनाने वाले नरेंद्र मोदी हैं।

कांग्रेस चार से अधिक सीटें जीतेगी : देवब्रत

शोणितपुर (हिंस)। असम विधानसभा में विपक्षी दल कांग्रेस के नेता देवब्रत सैकिया ने दावा किया है कि इस बार कांग्रेस पार्टी असम में चार से अधिक सीटें जीतने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि नगांव, जोरहाट, धुबड़ी, करीमगंज के साथ-साथ भाजपा के कब्जे वाली सीटें भी इस बार कांग्रेस को मिलेगी। सैकिया शनिवार को तेजपुर स्थित महाभैरव मंदिर का दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने पहले कभी नहीं कहा कि राज्य में एक करोड़ बाहरी लोग हैं। सैकिया के अनुसार मुसलमानों या अल्पसंख्यकों के वोट की जरूरत नहीं होने की बात कहने वाले प्रधानमंत्री अब अल्पसंख्यकों के वोटों के लिए कई बयान दे रहे हैं। हाल ही में जिस तरह से असम के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने बातें कहीं हैं, उससे साबित होता है कि इस बार मुस्लिम भाजपा के पक्ष में नहीं हैं।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.90PSC/DR-4/2/2023-24

NOTIFICATION

This is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Screening Test (OMR Based) for recruitment to the post of **Junior Engineer (Civil/Mechanical/ Electrical/Chemical) under Public Health Engineering Department (Advt. No. 29/2023, dated 31/10/2023) on 02-06-2024 (Sunday)** as per programme given below:

PROGRAMME OF SCREENING TEST

Name of Post	Date & Day	Time	Subjects
Junior Engineer (Civil/ Mechanical/Electrical/ Chemical) under Public Health Engineering Department	02-06-2024 (Sunday)	10:00 AM to 12 Noon	General Studies
		1:30 AM to 3.30 PM	Civil/Mechanical/ Electrical/Chemical

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates shall be uploaded on **27-05-2024** and e-Admission Certificate on **28-05-2024** in the Commission's official website **(www.apsc.nic.in)**. The candidates shall have to download their own e-Admission Certificate from the aforesaid website.

The Commission would like to clarify that the Commission reserves the right **to cancel the candidature of any candidate on verification of their application form** at any time or stage even after the Screening Test, if it is found that they do not fulfill any of the eligibility criteria/conditions as per terms of the aforementioned advertisement.

PwBD candidates willing to apply for scribe for the said Screening Test may inform in writing with supporting documents to the Commission or send mail to apsc-asm@nic.in on or before 30-05-2024.

Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/854/24/19-May-24

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश

गौहाटी हाईकोर्ट के दो जजों को किया जाए स्थायी

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र से गौहाटी हाईकोर्ट के दो न्यायाधीशों को स्थायी करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, न्यायाधीश राजेश सेखरी को इस साल 29 जुलाई से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश बनाने का सुझाव दिया है। बता दें, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और बीआर गवई वाली पीठ ने यह सुझाव दिया है। न्यायमूर्ति सुष्मिता फुकन खाउंद और मिताली ठाकुरिया, जो वर्तमान में गौहाटी हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं, उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक प्रस्ताव के माध्यम से सिफारिश को सार्वजनिक किया गया था। यह प्रक्रिया इस साल एक अप्रैल को हाईकोर्ट कॉलेजियम के प्रस्ताव के साथ शुरू हुई, जिसे बाद में असम, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने समर्थन दिया। प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस खाउंद और ठाकुरिया की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए गौहाटी हाईकोर्ट के कामकाज से परिचित न्यायाधीशों से परामर्श किया।

बस दुर्घटनाग्रस्त 40 यात्री घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के सेरफांगुरी और पाटगांव के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में बस में सवार 40 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पश्चिम बंगाल से गुवाहाटी की ओर आ रही बस (एएस-01पीसी-5625) आज सुबह अनियंत्रित होकर रेलिंग से जा टकराई। जिसकी वजह से बस में सवार सभी यात्री घायल हो गए। घायलों में से 18 लोगों को कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं, अन्य लोगों को सेरफांगुरी और दोमता चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घायल यात्रियों में से चार की हालत काफी गंभीर बताई गई है।

आरपीएफ ने एनजेपी स्टेशन से लुप्तप्राय प्रजाति के कछुए बरामद किए

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच करते हुए अवैध रूप से ले जाए जा रहे 10 जीवित लुप्तप्राय प्रजाति के कछुए बरामद किए। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि 17 मई को न्यू जलपाईगुड़ी आरपीएफ टीम ने जलपाईगुड़ी स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12507 (तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-सिलचर) अरोनई एक्सप्रेस में नियमित जांच की। जांच के दौरान आरपीएफ टीम को कोच संख्या एस-12 में एक नीले रंग का कंटेनर दिखा। कंटेनर मालिक की तलाश करने पर वह नहीं मिला। लावारिस कंटेनर खोलने के बाद, आरपीएफ टीम ने लुप्तप्राय प्रजातियों के 10 जीवित कछुओं को बरामद किया। बाद में जिंदा कछुओं समेत कंटेनर को आरपीएफ पोस्ट लाया गया। इसके बाद, सभी कानूनी औपचारिकताएं और दस्तावेज पूरी करने के बाद जीवित कछुओं को पश्चिम बंगाल वन विभाग को सौंप दिया गया।

पृष्ठ एक का शेष

नई पहल : माता-पिता...

28 सीटों पर मतदान हुआ था। लोकसभा के पांचवें चरण के चुनाव के लिए 49 सीटों के लिए कुल 1586 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था, इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच के बाद 749 उम्मीदवार रह गए और नामांकन पत्र वापस लेने के बाद चुनावी मैदान में 695 रह गए। इस चरण में प्रमुख उम्मीदवारों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर, डॉ प्रवीण भारती पवार, शान्तनु ठाकुर, कपिल पाटिल, अन्नपूर्णा देवी, भाजपा नेता राजीव प्रताप रूढ़ी, राष्ट्रीय जनता दल की रोहिणी आचार्य शामिल हैं। कुल सात चरणों के इस चुनाव में पांचवें चरण के मतदान के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित 18 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की सभी लोक सभा सीटों पर मतदान कराने का काम काम पूरा हो चुका होगा। चुनाव परिणाम चार जून को आएंगे। चुनाव आयोग ने पांचवें चरण की वोटिंग को लेकर पूरी तैयारियों कर ली हैं और इसमें मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। चौथे चरण के मतदान के साथ कुल 543 सीटों में से 379 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। पहले चरण में 102, दूसरे में 88, तीसरे में 93 और चौथे में 96 संसदीय क्षेत्रों में चुनाव कराए गए हैं। पहले चार चरणों में 45.1 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अभी तक मतदान किया है और इन चरणों में औसतन 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। छठे और सातवें चरण में क्रमश: 25 मई और एक जून को मतदान कराए जाएंगे। मतगणना चार जून को होगी। पांचवें चरण में जिन आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संसदीय सीटों के लिए मतदान होगा उनमें उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा और बिहार की पांच-पांच, झारखंड की तीन और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट है। पांचवें चरण में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडिया गठबंधन के स्टार प्रचारकों के अलावा घटक दल के नेताओं ने सार्वजनिक सभाओं और रोड-शो आदि के माध्यम से जम कर प्रचार किया। जो आज शाम छह बजे थम गया। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए चुनाव आयोग की व्यवस्था के अनुसार सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान खत्म होने के 48 घंटे पहले बंद कर दिया जाता है। इसके बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक निजी स्तर पर घर-घर जाकर मतदाताओं का समर्थन जुटाते हैं।

चुनाव के समय...

अलग-अलग स्तर पर चुनावों को प्रभावित करती है, कुछ सीधे तौर पर प्रलोभन के रूप में प्रवाहित होती हैं जबकि अन्य धन के प्रचलन के कम स्तर के माध्यम से होती हैं। इस प्रकार यह अवैध गतिविधियों की आय को राजनीतिक अभियानों से जोड़ने पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। चुनाव आयोग ने नशीले पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों की जब्ती पर विशेष जोर दिया है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जो राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पारगमन क्षेत्र हुआ करते थे, वे तेजी से उपभोग क्षेत्र बन रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक समीक्षा दौरे के दौरान नोडल एजेंसियों को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनावों में नशीली दवाओं के व्यापार के गंदे पैसे की भूमिका को जड़ से खत्म करने के लिए दवाओं और नशीले पदार्थों के खिलाफ एजेंसियों द्वारा सटीक खुफिया-आधारित सहयोगात्मक प्रयास समय की जरूरत है। युवाओं और इस प्रकार देश के भविष्य को बचाने के लिए यह महत्वपूर्ण और समग्र है। आयोग ने कहा कि नशीली दवाओं की जब्ती का योगदान 3,958 करोड़ रुपए है जो कुल जब्ती का 45 प्रतिशत है। सीईसी राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ एनसीबी के समर्पित नोडल अधिकारियों द्वारा कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विश्लेषण-आधारित सक्रिय कार्रवाई करने के लिए डीजी, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ बैठकें कीं। इसी प्रकार मौजूदा चुनावों के दौरान डीआरआई, भारतीय तटरक्षक बल, राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। इन सभी उपायों के कारण चुनावों की घोषणा के बाद दो महीनों में महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। आयोग ने कहा कि पिछले तीन चरणों में प्रचार की बढ़ती तीव्रता के साथ ईसीआई मतदाताओं को प्रलोभन के माध्यम से प्रभावित करने के प्रयासों पर कड़ी नजर रख रहा है और सीईओ एवं प्रवर्तन एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। आयोग द्वारा नशीली दवाओं और अन्य प्रलोभनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। गुजरात एटीएस, एनसीबी और भारतीय तट रक्षक ने संयुक्त अभियान में केवल तीन दिनों में 892 करोड़ रुपए की तीन उच्च मूल्य वाली दवाओं को जब्त किया है।

पाकिस्तान जाइए और...

लालू यादव के द्वारा मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने वाले बयान को लेकर भी लालू परिवार पर निशाना साधा। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मुसलमान को आरक्षण देना चाहते हैं, लेकिन, यह नया भारत है। यहां मुसलमान को आरक्षण नहीं मिलेगा। अगर इतना ही वह हमदर्द बनते हैं तो अपने दोनों बेटों को लेकर पाकिस्तान चले जाएं। बता दें, पांचवे चरण के मतदान को लेकर आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन मुजफ्फरपुर में बीजेपी प्रत्याशी डॉ राजभूषण निषाद के समर्थन में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, हरि सहनी ने रोड शो किया। इस दौरान हजारों की संख्या में समर्थक इस रोड शो में शामिल हुए, इस दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। वहीं इस रोड शो के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में अपार समर्थन मिल रहा हैं।

कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में ...

से नीचे उतारा गया। इस घटना में बिल्डिंग से गिरकर एक लड़की घायल हो गई, उसे अस्पताल ले जाया गया। आग बुझाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची। गौरतलब है कि आग बुझा दी गई है और कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है। इससे पहले शुक्रवार देर रात कुंडली -मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर नूंह जिले में स्थित गांव धुलावट के पास चलती बस में आग लगने से नौ लोग जिंदा जल गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भारत के संविधान ...

निर्देशक तत्व नामक एक अध्याय शामिल है, जो हमारे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने को एक पवित्र कर्तव्य करार देता है। राहुल गांधी इसका विरोध कर रहे हैं। इसलिए डॉ. शर्मा को यह यकीन है कि उनके हाथ में चीनी संविधान है। डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत के संविधान की मूल प्रति में नीला कवर है, जबकि मूल चीनी संविधान का लाल कवर है।

लोकतंत्र मेरी रगों ...

तबाह करने में जुटा है। ये लोग राजनीति का लगातार पतन करने के जिम्मेदार हैं। ये लोग करोड़ों देशवासियों का भरोसा तोड़ने के जिम्मेदार हैं। ये लोग दिल्ली को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। यो लोग भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर आए थे और अब हजारों करोड़ के घोटाले में जेल के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने दिल्ली में शासन किया लेकिन अब वे यहां चार सीटों पर भी लड़ने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उस लोकसभा सीट से लड़ने की स्थिति में भी नहीं है, जहां उनका 10 जनपथ का दरबार है। मोदी ने विपक्षी इंडी अलायंस पर हमला करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन ने सीएए को लेकर दिल्ली को बंधक बना लिया, दंगे भड़काए, लेकिन उनका झूठ उजागर हो गया है। दलित परिवारों सहित शरणार्थियों को अब भारतीय नागरिकता प्राप्त हो रही है, उनका सांप्रदायिक आरक्षण एजेंडा बाबा साहेब अम्बेडकर के सिद्धांतों की अवहेलना करता है। मोदी ने विपक्ष पर उनके पाखंड को लेकर हमला बोला और 1947 के पीड़ितों की उपेक्षा करते हुए घुसपैठियों के प्रति उनकी सहानुभूति की निंदा की। उन्होंने कहा कि उनका (इंडी ब्लॉक) घोषणापत्र मुस्लिम लीग से प्रेरित प्रतीत होता है। वे एक खतरनाक खेल खेल रहे हैं, और उन्होंने अपने घोषणापत्र में उल्लेख किया है कि वे धर्म के आधार पर सरकारी निविदाएं वितरित करेंगे। वे बजट को भी धर्म के आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता घुसपैठियों पर आंसू बहाते हैं, लेकिन वे धर्म के आधार पर एससी-एसटी आरक्षण उन्हें देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये मौका परस्त गठबंधन तुष्टिकरण के लिए देश में हिंसा भी फैला सकता। याद कीजिए, जब सीएए कानून आया था, तब इन्होंने महीनों के लिए दिल्ली को बंधक बना दिया था। पहले रास्ते रोके, फिर दंगे कराए लेकिन आज इनके झूठ का पर्दाफाश हो चुका हैं। दिल्ली में वर्षों से रह रहे शरणार्थियों को नागरिकता मिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस देश की सेवा के लिए चुना गया। उन्होंने कहा कि 50-60 साल पहले, मैंने अपना घर छोड़ दिया था, तब इस बात से अनजान था कि मैं एक दिन लाल किले पर तिरंगा फहराऊंगा। मेरा परिवार पीछे छूट गया, लेकिन आज 140 करोड़ भारतीय ही मेरा परिवार हैं। मोदी ने कहा कि मैं अपने लिए नहीं बल्कि आपके और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए जी रहा हूं। आप मेरे उत्तराधिकारी हैं और मैं आपके लिए ही दिन-रात अथक प्रयास करता हूं। दिल्ली में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद देश के जवान *नेशनल वार मेमोरियल* की मांग करते रहे। देश का दुर्भाग्य देखिए, जब तक मोदी नहीं आया, देश की सरकारों को देश के वीर जवानों के सम्मान में *वार मेमोरियल* बनाने का महत्व समझ नहीं आया। देश में लोगों की रक्षा करते-करते करीब 35 हजार पुलिस के जवान शहीद हुए हैं। *पुलिस मेमोरियल* के लिए देश के पुलिस जवानों को 70 साल इंतजार करना पड़ा। मोदी आया तब बना। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी जगह हो, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, इन्वेस्टमेंट लेकर आता है। आज छोटे से छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े-बड़े बिजनेस तक सभी फायदे में हैं, क्योंकि भारत सरकार दिल्ली का चौतरफा विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ अनधिकृत कॉलोनियां को रेगुलर करने का काम चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ झुग्गियों की जगह पक्के घर बनाने का अभियान भी जारी है। मिडिल क्लास के जो साथी अपना घर बनाना चाहते हैं, उनको भी भाजपा सरकार बड़ी आर्थिक मदद देने जा रही है।

बात माननी होगी ...

में कहा कि या तो उन्हें आलाकमान की बात माननी होगी, उनके फैसले का पालन करना होगा, या फिर बाहर जाना होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इन बयानों से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस आलाकमान तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के प्रति नरम है, लेकिन चौधरी इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यहां तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने खड़गे की टिप्पणी को इस तथ्य की स्वीकृति के रूप में उजागर करना शुरू कर दिया है कि बंगाल में केवल ममता बनर्जी की पार्टी ही भाजपा का मुकाबला कर सकती है, जिसका दावा मुख्यमंत्री काफी समय से कर रही हैं। दरसअल, बुधवार को पहले तो ममता ने कहा कि अगर केंद्र में सरकार बनती है तो वे बाहर से आईएनडीआईए गठबंधन का समर्थन करेंगी। इसे लेकर खड़गे ने कहा कि बहुत सी पार्टियां ऐसा करती हैं। वहीं, अगले ही दिन ममता ने कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। ममता के बयान पर अधीर चौधरी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि मुझे उन पर भरोसा नहीं है। वह आईएनडीआईए गुट से अलग हो गई। अब वह हमारे साथ एकजुट होने की कोशिश कर रही है, क्योंकि उसे एहसास है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हो रहे हैं।

वयोवृद्ध नेता अडवाणी ...

रहकर ही मतदान किया। बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए घर पर शुरू की गई मतदान की सुविधा मतदान के दो सप्ताह पहले से लेकर एक दिन पहले तक जारी रहती है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूक 91 वर्षीय व्हीलचेयर पर चलने वाले डॉ. मनमोहन सिंह ने होम वोटिंग सुविधा का विकल्प चुना। गंभीर रूप से बीमार और बिस्तर पर पड़े होने के बावजूद भी उन्होंने वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। शनिवार को वरिष्ठ भाजपा नेता और उप-प्रधानमंत्री भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा चुनाव में पहली बार बुजुर्गों के लिए चुनाव आयोग द्वारा प्रदान की गई सुविधा का उपयोग करते हुए घर से अपना वोट डाला। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में घरेलू मतदान सुविधा का लाभ उठाया और 17 मई को अपने घर से सफलतापूर्वक वोट डाला। पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी ने गुरुवार को वोट डाला।

किर्गिस्तान हिंसा में ...

होने पर दूतावास से संपर्क करें। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भी किर्गिस्तान के हालात पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा कि हम भारतीय छात्रों की भलाई के लिए बिश्केक में हालात पर नजर रखे हुए हैं। हालात फिलहाल नियंत्रण में है। हालांकि भारतीय छात्रों को फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी जाती है और दूतावास के संपर्क में रहें। फिलहाल किर्गिस्तान में पाकिस्तानी छात्रों के खिलाफ हिंसा भड़कने की वजह का अभी पता नहीं चल सका है, लेकिन सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियोज में दावा किया जा रहा है कि कुछ मिस्त्र और अरब के छात्रों का स्थानीय लोगों से झगड़ा हुआ था और अरब के छात्रों ने स्थानीय लोगों से मारपीट कर दी थी। दावा किया जा रहा है कि इसका आरोप पाकिस्तानी छात्रों पर लगा और स्थानीय लोग पाकिस्तानी छात्रों पर टूट पड़े। स्थानीय लोगों के हमले में तीन पाकिस्तानी छात्रों की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। कई अन्य छात्रों को भी निशाना बनाया गया है। स्थानीय लोगों ने छात्रों के हॉस्टल पर हमला किया और वहां मिले छात्रों को पीटा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस हॉस्टल पर हमला हुआ, उसमें कई भारतीय और बांग्लादेशी छात्र भी रहते हैं। ऐसे में इन छात्रों के लिए भी खतरा है।

एस्ट्रेजेनेका की कोविड ...

काम करता है। 2023 में प्लेटलेट फैक्टर 4 (या पीएफ4) नामक प्रोटीन के विरुद्ध निर्देशित एक असामान्य रूप से खतरनाक रक्त ऑटोएंटीबॉडी को वीआईटीटी के कारण के रूप में पाया गया था। अलग-अलग शोध में, कनाडा, उत्तरी अमेरिका, जर्मनी और इटली के वैज्ञानिकों ने समान पीएफ4 एंटीबॉडी के साथ लगभग समान विकार का वर्णन किया जो प्राकृतिक एडेनोवायरस (सामान्य सर्दी) संक्रमण के बाद कुछ मामलों में घातक था। अब एक नए शोध में ऑस्ट्रेलिया में फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने पाया कि एडेनोवायरस संक्रमण से जुड़े वीआईटीटी और क्लासिक एडेनोवायरल वेक्टर वीआईटीटी दोनों में पीएफ4 एंटीबॉडी समान मॉलिक्यूलर में है। फ्लिंडर्स के प्रोफेसर टॉम गॉर्डन ने कहा कि वास्तव में इन विकारों में घातक एंटीबॉडी बनने का तरीका समान है। शोधकर्ता ने कहा कि हमारे समाधान वीआईटीटी संक्रमण के बाद रक्त के थक्के जमने के दुर्लभ मामलों पर लागू होते हैं, यह टीके के विकास पर भी काम करते हैं। इसी टीम ने 2022 के एक शोध में पीएफ4 एंटीबॉडी के मॉलिक्यूलर का पता लगाया था, साथ ही एक आनुवंशिक जोखिम की पहचान की थी। यह शोध एस्ट्राजेनेका की ओर से फरवरी में हाई कोर्ट में प्रस्तुत एक कानूनी दस्तावेज में स्वीकार किए जाने के बाद आया है कि इसका कोविड टीका बहुत ही दुर्लभ मामलों में थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक सिंड्रोम (टीटीएस) का कारण बन सकता है। टीटीएस एक दुर्लभ दुष्प्रभाव है जिसके कारण लोगों में रक्त के थक्के बन सकते हैं और रक्त में प्लेटलेट की संख्या कम हो सकती है। इसे ब्रिटेन में कम से कम 81 लोगों की मौत के साथ-साथ सैकड़ों गंभीर चोटों से जोड़ा गया है। कंपनी ने स्वेच्छा से यूरोप और अन्य वैश्विक बाजारों से अपने कोविड वैक्सीन के *विपणन प्राधिकरण* को भी वापस ले लिया है।

नीदरलैंड में 29 ...

कहना है कि मानसिक बीमारियों से जूझ रहे लोग तेजी से इच्छा मृत्यु को अपना रहे हैं। द गार्जियन के अनुसार जोराया ने बताया कि उसकी परेशानियां बचपन में ही शुरू हो गई थीं। उनको क्रॉनिक डिप्रेशन, एंग्जायटी, ट्रॉमा और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर जैसी समस्याएं होने लगी। इसके अलावा उन्हें ऑटिज्म की भी समस्या थी। इसमें वह खुद को ही चोट पहुंचाने लगी। कुछ साल बाद जब जोराया को एक पार्टनर मिला तो उन्हें लगा था कि सब ठीक हो जाएगा। उनकी मानसिक समस्याएं अब दूर हो जाएंगी, मगर कोई हल नहीं निकला। जोराया ने खुद को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। जोराया ने अपनी बीमारियों से लड़ने के लिए इलेक्ट्रोकन्वलसिव थेरेपी (ईसीटी) की 30 से ज्यादा थेरेपी ली। इसमें रोगी को बिजली के झटके दिए जाते हैं। मगर उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। जोराया ने कहा कि 10 सालों तक कई तरीकों से अपना इलाज कराने के बाद आखिरकार निराश होकर उसने स्वस्थ जीवन जीने की उम्मीद छोड़ दी। इसके बाद उसने इच्छा मृत्यु के लिए आवेदन दिया। उन्होंने कहा कि इच्छा मृत्यु पाना इतना भी आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप शुक्रवार को मरने की सोचें और रविवार को आपको मौत मिल जाए। यह लंबी प्रोसेस होती है जिसमें आप कई डॉक्टरों से मिलते हैं। जो तय करते हैं कि आपकी इच्छा मृत्यु की मांग उचित है या नहीं। हर स्टेज पर डॉक्टर आपसे ये पूछते हैं कि क्या आप जान देने को तैयार हैं? हर और बार उसे इसके लिए हामी भरनी पड़ती। बता दें कि नीदरलैंड वह पहला देश है जिसने इच्छा मृत्यु को कानूनी अनुमति दी है। साल 2001 में वहां इच्छा मृत्यु को वैधता मिली। नीदरलैंड में आमतौर पर इच्छा मृत्यु की मंजूरी मिलने के बाद डॉक्टर्स लास्ट टाइम प्रोसीजर संबधित व्यक्ति के घर पर ही करते हैं। इस दौरान पेशेंट को एक खास तरह का इंजेक्शन दिया जाता है और कुछ ही मिनट में उसकी मौत हो जाती है। खास बात यह है कि मौत के बाद भी इस मामले की जांच होती है। अगर डॉक्टर्स की जरा भी लापरवाही सामने आती है तो उन्हें 12 साल की कैद हो सकती है। 2022 के दौरान नीदरलैंड में कुल 8501 लोगों ने इस कानूनी तरीके से प्राण त्यागे थे।

अफगानिस्तान में बाढ़ ...

बाढ़ से भारी वित्तीय क्षति हुई है। हजारों घर और संपत्ति क्षतिग्रस्त हुई है। शुक्रवार को आई बाढ़ से सैकड़ों एकड़ खेती तबाह हो गई है। इस बीच, प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता एस्मातुल्ला मोरादी ने कहा कि शुक्रवार को उत्तरी प्रांत फरयाब में 18 लोगों की मौत हुई है और दो अन्य घायल हैं। उन्होंने बताया कि चार जिलों में संपत्ति और जमीन को नुकसान हुआ है और 300 से अधिक जानवर मारे गए हैं। पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र बाढ़ एजेंसी ने कहा था कि अप्रत्याशित भारी बारिश से अफगानिस्तान में उत्तरी प्रांत बाघलान में हजारों घर क्षतिग्रस्त हो गए। घोर बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 2500 परिवार प्रभावित हुए हैं। यह प्रांत 10 मई से बाढ़ से प्रभावित था। विश्व खाद्य संगठन ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं बचे हैं। अप्रैल में अफगानिस्तान में विनाशकारी बाढ़ में 70 लोगों की मौत हुई थी।

ट्रेन की चपेट ...

और ट्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि उन्हें पीछे से आ रही ट्रेन का पता नहीं चला। अधिकारी ने कहा कि उनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई और दो घायल व्यक्तियों को गौहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि मजदूर ग्वालपाड़ा जिले के रहने वाले थे और पास के एक किराए के मकान से कार्यस्थल की ओर जा रहे थे।

तापमान
अधिकतम 34°
न्यूनतम 24°

मोरियानी में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का प्रकोप

जोरहाट (हिंस)। मोरियानी में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू के प्रकोप के कारण सुअर की मौत हो रही है। सूअरों के शरीर में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू के संकेत मिले हैं। मोरियानी के विभिन्न स्थानों के साथ नागिनीजान टी एस्टेट की लाइन नंबर 9 में एक के बाद एक सुअरों की मौत हो रही है। स्थानीय सुअर पालक डरे हुए हैं। हालांकि, सुअरों की मौत के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसी बीच, मोरियानी राजस्व सर्किल अधिकारी क्वीन गोगोई के नेतृत्व में पशु चिकित्सकों की एक टीम नगीनीजान चाय बागान पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप मिला महिला का शव

कोकराझाड़(हिंस)। कोकराझाड़ जिले के बिश्मुरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रायजंफाई इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (सी) के समीप एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज तड़के सड़क दुर्घटना में मरने वाली महिला की वास्तविक पहचान नहीं हो पाई है। उक्त घटना की जानकारी मिलतें ही स्थानीय पुलिस ने कारवाई करते हुए शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने एक प्रथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अवैध नियुक्तियों को रद्द करने की मांग

एसीएस ने राज्य सरकार को दिया 14 दिन का अल्टीमेटम

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में अवैध नियुक्तियों के खुलासे पर चिंता व्यक्त करते हुए, अरुणाचल सिविल सोसाइटी (एसीएस) ने सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और जल आपूर्ति विभाग में सभी अवैध नियुक्तियों (पीएचई एवं डब्ल्यूएसडी) को रद्द करने के लिए राज्य सरकार को 14 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। अरुणाचल प्रेस क्लब में आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसीएस के गिहा तानाम ने अवैध नियुक्तियों के खुलासे की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राज्य में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इस तरह की अवैध नियुक्तियों का मुद्दा उठाया गया है, लेकिन अवैध नियुक्तियों की जांच करने के लिए कोई मजबूत तंत्र नहीं है। विभिन्न विभागों में अवैध नियुक्तियों की कई घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि हमने अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा परीक्षा (एपीपीएससीई) पेपर लीक मामला, अरुणाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) मुद्दा, शिक्षा विभाग में हुए अवैध नियुक्तियों और हाल ही में पीएचई एवं डब्ल्यूएसडी में अवैध नियुक्तियों का खुलासा हुआ है। यह रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एसीएस संयोजक कामीन यांगफो ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू हर बार दावा करते हैं कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। अगर ऐसा है तो उन्हें पीएचई और डब्लूएसडी के सभी अवैध नियुक्तियों को तुरंत रद्द करना चाहिए तथा इसमें शामिल सभी अधिकारियों को बर्खास्त करना चाहिए। अवैध नियुक्तियों और मामले में शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी संगठन ने मांग की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हमने राज्य के मुख्य सचिव को एक आवेदन सौंपा है और पीएचई और डब्ल्यूएसडी में सभी 25 अवैध नियुक्तियों को रद्द करने और इस योजना में शामिल सभी नामों का खुलासा करने के लिए 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है।

मणिपुर में नवोदित डिजाइनर को मारी गोली

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के पाटसाई थाना क्षेत्र के खुंबोंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास शनिवार की सुबह नवोदित डिजाइनर लैशराम कुमारजीत की अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। पेशेवर डिजाइनर लैशराम को बाएं पैर में गोली लगी है। राज्य पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हमलावरों की पहचान अभी नहीं हो पाई है और डिजाइनर को गोली मारने के बारे में अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। हालांकि, पुलिस ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक अभियान चलाया है। पुलिस के एक आला अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद घायल कुमारजीत को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

नलबाड़ी सर्किल अधिकारी निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। नलबाड़ी जिले में एक राजस्व सर्कल अधिकारी को चुनाव ड्यूटी में कथित लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। पश्चिम नलबाड़ी राजस्व सर्कल की राजस्व सर्कल अधिकारी अर्पणा सरमा को 15 मई की तारीख से निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी द्वारा हस्ताक्षरित है। सरमा पर *चुनावी कर्तव्यों के परित्याग, अवज्ञा, विघटनकारी व्यवहार और लोकसभा चुनाव से संबंधित कार्यों में घोर लापरवाही* का आरोप लगाया गया है। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग ने सरमा को निलंबित करने का निर्देश दिया है। आयोग ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने की भी सिफारिश की है। निलंबन की अवधि के दौरान अर्पणा सरमा, एएलआरएस का मुख्यालय, भूमि अभिलेख और सर्वेक्षण निदेशक, राजा नगर, रूपनगर, गुवाहाटी के कार्यालय में रहेगी। उन्हें नियमों के तहत निर्वाह भत्ता आदि का भुगतान किया जाएगा। सरमा द्वारा दावा किया गया है कि स्वतंत्रता सेनानियों के लिए गामोछा की खरीद से संबंधित एक घटना के बाद 24 जनवरी से उन्हें गंभीर मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा है। सर्किल आफिसर सरमा ने आरोप लगाया कि डीसी बर्नाली डेका दुर्भावनापूर्ण इरादे से लगातार उनकी जांच कर रही हैं, और मामूली आधार पर दोष देने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, नलबाड़ी पुलिस ने डीसी डेका के खिलाफ उनकी शिकायत दर्ज नहीं की।

नकली नोट समेत तीन चढ़े एसटीएफ के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में नकली नोट समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान कमेनलांग जालोंग (24), साल्वियस शादाप (28) और सखारियास शादाप (26) के रूप में की गयी है। सभी मेघालय के रहने वाले बताए गए हैं। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि एसटीएफ के इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में वशिष्ठ थाना क्षेत्र के खानापाड़ा इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 92 हजार रुपए नकली नोट बरामद किया गया है। बरामद किए गए सभी नकली नोट 500 रुपए के हैं। एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपी के पास से नकली के अलावा नगद 31,500 रुपए और मोबाइल फोन बरामद किया है। एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपी को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। स्थानीय पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही हैं।

कोकराझाड़ : बस दुर्घटना में 18 यात्री गंभीर रूप से घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के पाटगांव में स्थित 31नंबर राष्ट्रीय राज्यमार्ग में भयंकर सड़क हादसे में 18 यात्री घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार सरफांगगुड़ी थानांतर्गत पाटगाव स्थित 31नंबर राष्ट्रीय राज्यमार्ग में पश्चिम बंगाल से गुवाहाटी आ रही (एएस 01 पीसी 5625) नंबर की बस नियंत्रण खो कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में सवार 18 यात्री घायल हो गए। घायल यात्रियों को कोकराझाड़ मेडिकल कालेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इस बीच अस्पताल में राज्य के मंत्री उर्खा गौरा ब्रम्ह उपस्थित होकर घायलों के हालत की जायजा ली।

आकाशीय बिजली गिरने से व्यक्ति की मौत

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के आलोपतीचर थाना के मौखुवाचर में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी। गोवालपाड़ा जिले के मोरनाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पहाड़तली सिंहपाड़ा गांव के निवासी अब्दुल मन्नान (50) स्वर्गीय खैरुद्दीन के बेटे और पड़ोसी आलोपतिचर पुलिस स्टेशन के तहत मौखोवाचर के तिलापाड़ा में खेती करने के उद्देश्य से अस्थायी रूप से एक फार्म हाउस में रह रहे थे। आज सुबह करीब 5 बजे अब्दुल मन्नान फार्म हाउस के पास ब्रह्मपुत्र नदी में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन मछली पकड़ने के दौरान बिजली गिरने से शख्स की मौत हो गई। इस बीच आलोपटी की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बरपेटा के फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

कोकराझाड़ में मनाया गया बोड़ो माध्यम दिवस

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ शहर के प्रमुख बोड़ो माध्यम स्कूल यूएन अकादमी परिसर में आज (शनिवार) को 61वां बोड़ो माध्यम दिवस मनाया गया। आज बोड़ो माध्यम दिवस है। 18 मई से ही बोड़ो माध्यम की शिक्षा 1963 में शुरू हुई थी। इस प्रकार हर साल 18 मई को बोड़ो माध्यम दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए बीटीसी के प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने बोड़ो माध्यम के लिए अपने बहुमूल्य जीवन न्यौछावर करने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बोड़ो माध्यम के अनेक छात्र बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हुए हैं। इस अवसर पर प्रमोद बोड़ो ने कहा कि आज आयोजित सम्मान समारोह में कोकराझाड़ स्थित यूएन अकादमी के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। मेधावी विद्यार्थियों ने इस वर्ष बोड़ो माध्यम में एचएसएलसी और एचएसएसएलसी परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। उन्होंने उन सभी को उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। प्रमोद बोड़ो ने कहा कि समस्याओं से ग्रस्त होने के बावजूद संघर्ष करके बोड़ो समाज आज ऊंचे मुकाम पर पहुंच गया है। यूएन अकादमी के निदेशक कृष्ण गोपाल ने बोड़ो माध्यम दिवस के मौके पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोड़ो माध्यम का संस्थान यूएन अकादमी धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ी चढ़ रहा है।

गुवाहाटी में तूफान के कारण भारी तबाही, घंटों तक बिजली रही ठप्प

गुवाहाटी (हिंस)। शुक्रवार की रात गुवाहाटी में तूफान और बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ। कई मकानों में दरार आ गयी। बिजली सेवाएं घंटों तक ठप्प रहीं। शुक्रवार को दिन के समय भारी गर्मी के बीच गुवाहाटी के साथ राज्य के अन्य हिस्सों में रात के समय हुई तूफानी बारिश ने जनता को गर्मी से हालांकि, राहत मिली। रात में हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर के गीतानगर समेत नूनमाटी और चांदमारी के कई स्थानों पर पेड़ गिर गए और तूफान में रुद्रनगर समेत कई जगहों पर कई घर भी ढह गए। गीतानगर में एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया। इसी तरह बामुनीमैदाम, नूनमाटी के अलग-अलग हिस्सों में पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए। इस बीच, तूफान के साथ हुई बारिश के कारण, चांदमारी से नूनमाटी और कई अन्य स्थानों पर सड़क कृत्रिम बाढ़ की चपेट में आ गई। विशेष रूप से चांदमारी, बामुनीमैदाम इलाके में दोनों तरफ के नालों को तोड़कर फिर से बनाये जा रहे हैं। फ्लाईओवर पर भी काम किया जा रहा है। जिससे कृत्रिम बाढ़ के दौरान भयानक माहौल पैदा हो गया। सड़क के बीच में बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण बाइक, स्कूटी आदि गड्ढे में गिरकर टूट गए। इस बीच, नूनमाटी, नारंगी, गीतानगर, चांदमारी समेत कई इलाकों में रात से ही आंधी के कारण बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई।

रंगिया में प्रेमी ने प्रेमिका की बेरहमी से की हत्या, आत्मसमर्पण

रंगिया (विभास)। रंगिया के निकटवर्ती कामरूप-नलबाड़ी सीमा पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस घटना के बाद रंगिया थाने में आज गर्म माहौल देखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तुलसीबाड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत माहतोली निवासी प्रेमी तफीकुल अली ने इच्छापुर निवासी एक युवती यानी उसकी प्रेमिका की बेरहमी से हत्या कर उसे आधी रात को नोनो नदी के तटबंध पर से नीचे फेंक दिया। इसके बाद हत्याकारी तफीकुल अली ने तुलसीबाड़ी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों की शादी होने वाली थी। पिछले वर्ष दोनों के बीच विवाह अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बावजूद

हत्या के बाद शव को बांध से नीचे फेंका

शुक्रवार की रात प्रेमी अपनी प्रेमिका को भगाकर ले गया। लेकिन पलायन करते समय युवती ने अपना मन बदलकर परिवार को छोड़कर नहीं जाना चाहा। जिसके चलते दोनों के बीच खूब कहा सुनी हुई और गुस्से में प्रेमी तफीकुल ने युवती पर कूदकर उसकी गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। युवती के बेहोश हो जाने के बाद युवक ने उसे घसीटते हुए नोना नदी के तटबंध से उसे नीचे फेंक दिया और बाद में तुलसीबाड़ी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद आरोपी प्रेमी को रंगिया थाने लाया गया। जिससे थाने का माहौल पुरी तरह गर्म हो गया। सैकड़ों लोगों ने हत्याकारी युवक के फांसी की मांग उठाई और स्थिति को और अधिक गर्म कर दिया। उधर रंगिया पुलिस ने हत्यारे को दंडाधीश और पुलिस प्रमुख की उपस्थिति में घटनास्थल पर ले जाकर युवती का शव कामरूप-नलबाड़ी सीमा पर नोना नदी से बरामद किया। इसके अलावा पुलिस ने बांध के एक किनारे से युवती का एक लाल बैग और सैंडल भी बरामद की। इस दौरान बांध के ऊपर से नदी के नीचे तक घसीटे जाने के भी निशान भी पुलिस को मिले है। पुलिस ने शव को बरामद कर रंगिया थाने लाकर बाद में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ड्रग्स समेत दो गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के खानामुख इलाके से पुलिस की एक टीम ने दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चारीदुआर पुलिस ने जिले के खानामुख इलाके से दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। तस्करों की पहचान राहुल दास और अहमदुल्लाह के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों तस्करों के पास से पुलिस ने लगभग पचाह हजार रुपए का ड्रग्स बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

एसएसबी महानिदेशक ने 24वीं बटालियन रंगिया का किया दौरा

रंगिया (निंस)। सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी (भापूसे) द्वारा क्षेत्रक मुख्यालय एवं 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण के दौरान वाहिनी परिसर में सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने सभी जवानों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया व जवानों को होने वाली समस्याओं के बारे में जाना व उनकी समस्याओं पर उचित कार्रवाई हेतु आश्वासन भी दिया। साथ ही जवानों को अपने स्वस्थ्य के प्रति सचेत रहकर अपने कर्तव्यों को निर्वाहन करने हेतु निर्देशित किया। महानिदेशक महोदय द्वारा अपने संदेश में सभी से आग्रह किया गया कि सभी बल कार्मिक सशस्त्र सीमा बल के ध्येय वाक्य *सेवा सुरक्षा एवं बंधुत्व* का हमेशा पालन करें और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पूर्ण लगन एवं ईमानदारी से निर्वाहन करने हेतु प्रेरित किया गया। सैनिक सम्मलेन समापन के उपरांत राजीव राणा, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल रंगिया द्वारा महानिदेशक महोदय को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस दौरान महानिदेशक द्वारा वाहिनी प्रांगण में नवसृजित खेल मैदान का उद्घाटन भी किया गया। इस कार्यक्रम में आरके भुमला, महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, श्री राणा, उप-महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय रंगिया, दीपक सिंह, कमांडेट, 24वीं वाहिनी रंगिया, अन्य अधिकारी गण व क्षेत्रक मुख्यालय और वाहिनी रंगिया के सभी बलकार्मिक उपस्थित थे।

कोकराझाड़ : एसएसबी ने किया अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-169/4 से लगभग 04 किलोमीटर भारत की ओर एसएसबी व वन विभाग रूनीखाता की संयुक्त टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान अवैध रूप से कटे हुए लड़कियों को साईकिल पर लाद कर ले जा रहे लकड़कट्टों को देख एसएसबी जवानों ने उनका पीछा किया। इस बीच लकड़कट्टे साइकिल और उसमें लदी लड़कियों को छोड़कर जगंल में भाग गए। एसएसबी द्वारा काफी देर तक पीछा करने के बाद लकरकट्टों को नहीं पकड़ पाए। इस बीच तीन साइकिलों में लदे लकड़ी व तीन साईकिलों को अपने कब्जे में ले लिया। जब्त किए गए लकड़ी व साईकिल को वन विभाग कार्यालय रूनीखाता को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया। इसी तरह एसएसबी ने पिछले दिनों कई तरह की अभियान चलाकर क्षेत्र में चल रहे अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई है। सूचना के अनुसार आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहने की बात बताई गई है।

सीमा विवाद के झगड़े में महिला की मौत

होजाई (हिंस)। लंका के नखूटी में सीमा विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह 7:30 बजे समर अली नामक एक शख्स और नखूटी नंबर 2 गांव के जमाल अली के बीच जमीन की सीमा को लेकर कहासुनी हुई। बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। जिसमें समर अली की पत्नी सोफिया खातून गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। महिला ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। नखूटी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

प्रागज्योतिष महाविद्यालय का भरलु बचाओ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। प्रागज्योतिष कॉलेज एनएसएस इकाई ने गोद लिए गए स्कूल प्रगति प्राथमिक पाठशाला, शांतिपुर, गुवाहाटी में सात दिवसीय(15/5/24-21/5/24) विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भरलु नदी के किनारे प्रतिष्ठित महाविद्यालय का नैतिक दायित्व है कि भरलु बचाए। इसी क्रम में 7 दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन, पूर्व उप-प्रिंसिपल और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख, और भरलू बचाओ अभियान के सदस्य, अतनु कुमार चौधरी ने छात्रों को भरालू के महत्व और गंभीर प्रदूषण के बारे में जागरूक किया। छात्रों को अपने माता-पिता के साथ इस विषय पर चर्चा करने और वैज्ञानिक तरीके से अपशिष्ट-निपटान का प्रबंधन करने के लिए कहा गया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन प्रागज्योतिष कॉलेज की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नंदिता राजबशी के नेतृत्व में किया गया। डॉ. नमिता दास आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर

और प्रागज्योतिष की राजनीति विभाग की डॉ. अर्पिता दास उपस्थित थी। स्कूली छात्रों के साथ एनएसएस स्वयंसेवक भी उपस्थित थे। छात्रों और शिक्षकों की जागरूकता के लिए एसबी(बीबी)ए का थीम गीत बजाया गया। साथ ही भरलु बचाव पर प्राचीर पत्रिका विमोचन महाविद्यालय के अध्यक्ष महोदय मनोज कुमार महंत ने किया। स्वयंसेवकों ने स्कूली छात्रो के साथ प्रचीर लेखन भी किया।

संपादकीय

चारधाम के इंतजाम

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं। दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे। उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे। इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे। बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे। स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गई। गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं। जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका। दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं। हमारे नीति-नियंताओं ने इस क्षेत्र में भारी-भरकम विकास के नाम पर जो कुछ भी किया वह हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए ही किया। चारधाम ऑल वेदर रोड बनाने के प्रयास तो हुए लेकिन यात्रा को सहज-सुगम बनाने के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। दरअसल, देश के मध्यम वर्ग में आई संपन्नता व बैंकिंग सुविधाओं के चलते वाहनों की खरीद में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लोग बसों आदि के बजाय अपने वाहन लेकर इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं। सरकारें भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुगम नहीं बना सकी। जिसके चलते दर्जनों किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें जानलेवा साबित हो रही हैं। हकीकत यह भी है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सका है। जिसके चलते तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएं भी कम पड़ गई। अफरा-तफरी और कुछ श्रद्धालुओं की मौत के बात शासन-प्रशासन जागा है। फिर आनन-फानन में दर्शन के इच्छुक तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित किया गया। दरअसल, तीर्थयात्रियों का दबाव कम करने हेतु यात्रा के लिये होने वाले नामांकन को भी फिलहाल टाला गया है। लेकिन इस नियमन का असर ये हुआ कि मैदानी इलाकों से चारधाम यात्रा के लिये निकले यात्री बीच के पहाड़ी इलाकों में फंस गये, जहां उनके ठहरने के लिये पर्याप्त व गुणवत्ता की सुविधाए नहीं हैं। जिससे यात्रियों के कष्टों में इजाफा ही हुआ है। दरअसल, वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी से सबक लेकर तीर्थयात्रियों के नियमन के लिये जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनको लेकर गंभीरता नजर नहीं आयी है। वहीं दूसरी ओर गर्मी शुरू होते ही लोगों में पहाड़ों की तरफ निकलने का चलन आम हो गया है। बच्चों की स्कूलों में छुट्टियां होने के चलते तमाम लोग पहाड़ी इलाकों के सैर सपाटों के लिये भी निकलते हैं। लेकिन पहाड़ी इलाकों की अपनी सीमाएं हैं। जो सड़कें कभी सीमित वाहनों के लिये बनी थी, वे कारों का सैलाब नहीं झेल पा रही हैं। एक समय इन इलाकों में ऐसी व्यवस्था होती थी कि जब ऊपर से वाहन निकल जाते थे तब नीचे के वाहनों को ऊपर जाने की अनुमति मिलती थी। मौजूदा समय में भी यात्रियों व वाहनों की संख्या का नियमन व संतुलन करना होगा। तीर्थयात्रियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि इन तीर्थस्थलों के कपाट नवंबर माह तक खुले रहेंगे। यात्रियों के दबाव को देखते हुए आने वाले महीनों में भी यात्रा का कार्यक्रम बनाया जा सकता है।

श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं। दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे। उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे। इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे। बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे। स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गई। गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं। जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका। दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं।

भारत सोने की चिड़िया है एवं यहां के नागरिकों के पास स्वर्ण के अपार भंडार मौजूद हैं

सैंकड़ों मंदिरों का पुनर्धार कराने वाली महारानी थी अहिल्याबाई होलकर

प्रह्लाद सबनानी

अरब देशों से भारत आए आक्रांता शुरू में तो केवल भारत में लूट खसोट करने के उद्देश्य से ही आए थे, क्योंकि उन्होंने सुन रखा था कि भारत सोने की चिड़िया है एवं यहां के नागरिकों के पास स्वर्ण के अपार भंडार मौजूद हैं। परंतु, यहां आकर छोटे छोटे राज्यों में आपसी तालमेल एवं संगठन का अभाव देखकर उनका मन ललचाया और उन्होंने यहीं के राजाओं में आपसी फूट डालकर उन्हें आपस में लड़वाकर अपने राज्य को स्थापित करने का प्रयास प्रारम्भ किया। अन्यथा, आक्रांता तो संख्या में बहुत कम ही थे, उनका साथ दिया भारत के ही छोटे छोटे राज्यों ने। भारत के कुछ राज्यों पर अपनी सत्ता स्थापित करने के बाद तो आक्रांताओं की हिम्मत बढ़ गई और फिर उन्होंने भारत की भोली भाली जनता पर अपना दबाव बनाना शुरू किया कि या तो वे अपना धर्म परिवर्तित कर इस्लाम मतपंथ को अपना लें अथवा मरने के लिए तैयार हो जाएं। कई मुस्लिम राजाओं ने तो हिंदू सनातन संस्कृति पर भी आघात किया और हजारों की संख्या में मठ मंदिरों में तोड़ फोड़ कर इन मठ मंदिरों को भारी नुक्सान पहुंचाया। हिंदू सनातन संस्कृति पर कायम भारतीय जनता, आक्रांताओं के जुल्म, वर्ष 712 ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक, लगभग 1000 वर्षों तक झेलती रही। लाखों मंदिरों के साथ ही, मथुरा, वाराणसी, अयोध्या, सोमनाथ आदि मंदिर, जो हजारों वर्षों से भारतीय जनता की आस्था के केंद्र रहे हैं, इन मंदिरों को भी नहीं छोड़ा गया एवं इन मंदिरों में तोड़फोड़ कर इन मंदिरों पर अथवा इनके पास सटे हुए क्षेत्र में मस्जिद बना दी गई ताकि हिंदू सनातन संस्कृति पर सीधे आघात किया जा सके एवं हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायियों के आत्मबल को तोड़ा जा सके जिससे वे इस्लाम मतपंथ को अपना लें। परंतु, भारत भूमि पर समय समय पर कई महान विभूतियों ने भी जन्म लिया है और अपने सदकार्यों से इस पावन धरा को पवित्र किया है। ऐसी ही एक महान विभूति थीं अहिल्याबाई होलकर, जिन्होंने आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए एवं नष्ट किए गए मंदिरों के उद्धार का कार्य बहुत बड़े स्तर पर किया था। अहिल्याबाई होलकर का जन्म महाराष्ट्र के अहमदनगर के जामखेड़ स्थित चौंढी गांव में 31 मई 1725 को हुआ था। उनके पिता का नाम मानकोजी शिंदे था, जो मराठा साम्राज्य में पाटिल के पद पर कार्यरत थे। अहिल्याबाई का विवाह मालवा में होलकर राज्य के संस्थापक मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव से हुआ था। वर्ष 1745 में अहिल्याबाई के बेटे मालेराव का जन्म हुआ। इसके करीब 3 साल बाद बेटी मुक्ताबाई ने जन्म लिया। रानी अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उनकी शादी के कुछ वर्ष बाद ही 1754 में उनके पति खांडेराव का भरतपुर (राजस्थान) के समीप कुम्हेर में युद्ध के दौरान निधन हो गया। वर्ष 1766 में ससुर मल्हारराव भी चल बसे। इसी बीच रानी ने अपने एकमात्र बेटे मालेराव को भी खो दिया। अंततः अहिल्याबाई को राज्य का शासन अपने हाथों में लेना पड़ा। अपनों को खोने और शुरुआती जीवन के संघर्ष के बाद भी रानी ने बड़ी कुशलता से राजकाज संभाल लिया। कुशल कूटनीति के दम पर उन्होंने न सिर्फ विरोधियों को पस्त किया बल्कि जीवनपर्यन्त सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में जुटी रहीं। अहिल्याबाई ने देशभर में कई प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर मंदिरों, घाटों, कुओं और बावड़ियों का निर्माण कराया। साथ ही, उन्होंने सडकों का निर्माण करवाया, अन्न क्षेत्र खुलवाये, प्याऊ बनवाये और वैदिक शास्त्रों के चिन्तन-मनन व प्रवचन के लिए मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति भी की। रानी अहिल्याबाई ने बड़ी संख्या में धार्मिक स्थलों के निर्माण कराए। आपने सोमनाथ के मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया, जिसे 1024 में गजनी के महमूद ने नष्ट कर दिया था। साथ ही सोमनाथ मंदिर के मुख्य मंदिर के आस-पास सिंहद्वार और दालानों का निर्माण करवाया। अहिल्याबाई ने हरिद्वार स्थित कुशावर्त घाट का जीर्णोंधार कराकर उसे पक्के घाट में परिवर्तित कराया। उन्होंने इसी स्थान के समीप दत्तात्रेय भगवान का मंदिर भी स्थापित कराया। पिंडदान के लिए भी एक उचित स्थान का निर्माण करवाया। वाराणसी में सुप्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट का निर्माण करवाया। राजघाट और अस्सी संगम के मध्य विश्वनाथ जी का सुनहरा मंदिर है। यह मंदिर 51 फुट ऊंचा और पत्थर का बना हुआ है। मंदिर के पश्चिम में गुंबजदार जगमोहन और इसके पश्चिम में दंडपाणीश्वर का पूर्व मुखी शिखरदार मंदिर है। इन मंदिरों का निर्माण अहिल्याबाई ने ही करवाया था। वाराणसी में ही अहिल्याबाई होल्कर ने अहिल्याबाई घाट

तथा उसके समीप एक बड़ा महल बनवाया। महान संत रामानन्द के घाट के समीप उन्होंने दीपहजारा स्तंभ बनवाया। उन्होंने बहुत से कच्चे घाटों का जीर्णोद्धार कराया, जिसमें से शीतलाघाट प्रमुख है। इस प्राचीन नगर में महारानी ने हनुमान जी के भी एक मंदिर का निर्माण करवाया। काशी के समीप ही तुलसीघाट के नजदीक लोलार्ककुंड के चारों ओर कीमती पत्थरों से जीर्णोद्धार करवाया। इस कुंड का उल्लेख महाभारत और स्कन्दपुराण में भी मिलता हैं। इसी प्रकार बद्रीनाथ और केदारनाथ में भी धर्मशालाओं का निर्माण करवाया। सन 1818 में कैप्टन स्टुअर्ट नाम का एक व्यक्ति हिमालय की यात्रा पर गया। वहां केदारनाथ के मार्ग पर तीन हजार फुट की ऊंचाई पर अहिल्याबाई द्वारा निर्मित एक पक्की धर्मशाला उसने देखी थी। बद्रीनाथ में तीर्थयात्रियों और साधुओं के लिए सदावर्त यानी हमेशा अन्न बांटने का व्रत लिया था। हिंदू धर्म में गंगाजी का व गंगाजल का बड़ा महत्व है। पूरे देश में स्थापित तीर्थस्थान भारत की एकात्मकता व राष्ट्रीयता के परिचायक हैं। भारत के तीर्थों में गंगाजल पहुंचाने की श्रेष्ठ व्यवस्था द्वारा अहिल्याबाई ने धार्मिकता के साथ-साथ राष्ट्रीय एकात्मकता की प्राचीन परंपरा को नवजीवन दिया था। अयोध्या, उज्जैन और नासिक में भगवान राम के मंदिर का निर्माण किया। उज्जैन में उन्होंने चिंतामणि गणपति के मंदिर का भी निर्माण करवाया। एलोरा, महाराष्ट्र में वर्ष 1780 के आस-पास घृणेश्वर मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। अहिल्याबाई को महेश्वर बहुत प्रिय था। उन्होंने यहां कई प्राचीन मंदिरों, घाटों आदि का जीर्णोद्धार कराया। इसके अलावा, कई नये मंदिर, घाट व मकान बनवाए। उन्होंने महेश्वर में अक्षय तृतीया के शुभ दिन घाट पर भगवान परशुराम का मंदिर बनवाया। जगन्नाथपुरी मंदिर को दान और आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम सहित महाराष्ट्र में परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग का भी कायाकल्प करवाया। आपके शासनकाल में ग्रीष्म ऋतु में कई स्थानों पर प्याऊ का प्रबंध होता था व ठंड में गरीबों को कंबल बांटे जाते थे। इन सारे कार्यो के लिए कई कर्मचारी नियुक्त थे। आपकी सैन्य प्रतिभा के अनेक प्रमाण अभिलेखों में उपलब्ध हैं। उनकी सफल कूटनीति का साक्ष्य यह है कि विशाल सैन्य बल से सज्ज आक्रमण की नीयत से आए राघोबा को उन्होंने अकेले पालकी में बैठकर उनसे मिलने आने के लिए उसे विवश कर दिया था। डाकुओं और भीलों को उन्होंने समाज की मुख्य धारा में लाने का यत्न किया तथा समाज के उपेक्षित लोगों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा माना। उनकी व्यावसायिक दूरदृष्टि का उदाहरण महेश्वर का वह वस्त्रोद्योग है जहां आज भी सैकड़ों बुनकरों को आजीविका मिलती है तथा यहां की साड़ियां विश्वप्रसिद्ध हैं। वे अद्भुत दृष्टि सम्पन्न विदुषी थीं। अहिल्याबाई होलकर परम शिव भक्त थी। उनकी राजाज्ञाओं पर 'श्री शंकर आज्ञा' लिखा रहता था। श्री काशीनाथ त्रिवेदी जी कहते है कि "उनका [अहिल्याबाई] मत था कि सत्ता मेरी नहीं, सम्पत्ति भी मेरी नहीं जो कुछ है भगवान का है और उसके प्रतिनिधि स्वरूप समाज का है।

भारत के कुछ राज्यों पर अपनी सत्ता स्थापित करने के बाद तो आक्रांताओं की हिम्मत बढ़ गई और फिर उन्होंने भारत की भोली भाली जनता पर अपना दबाव बनाना शुरू किया कि या तो वे अपना धर्म परिवर्तित कर इस्लाम मतपंथ को अपना लें अथवा मरने के लिए तैयार हो जाएं। कई मुस्लिम राजाओं ने तो हिंदू सनातन संस्कृति पर भी आघात किया और हजारों की संख्या में मठ मंदिरों में तोड़ फोड़ कर इन मठ मंदिरों को भारी नुक्सान पहुंचाया। हिंदू सनातन संस्कृति पर कायम भारतीय जनता, आक्रांताओं के जुल्म, वर्ष 712 ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक, लगभग 1000 वर्षों तक झेलती रही।

दृष्टि कोण

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को लगा जोर का झटका धीरे से

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों को रैफ्री की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष

अदालत ने मनी लॉनड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई, 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोडा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है।

कुछ अलग

दोनों ही रामलल्ला से अपना जुड़ाव बता रहे हैं

देशभर में राम मंदिर भाजपा के लिए मुख्य चुनाव आधार मुद्दा है लेकिन अयोध्या में मंदिर समाजवादी पाटा के लिए भी यह उतना ही महत्व रखता है। राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रातिष्ठा होने के बाद पहली बार यहां लोकसभा चुनाव हो रहा है। भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिह खुद को राम भक्त और राम मंदिर निर्माण को उपलब्धि व पाटा के लिए आस्था का विषय कहते हैं। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रासाद कहते हैं कि हमारे रोम रोम में राम हैं। वे अपने दादा निवल, पिता दुखी राम, मामा परशुराम और बड़े भाईं रामहोत का नाम लेकर कहते हैं कि हम तो पीढ़यिों से भगवान राम को मानते आ रहे हैं। भगवान का हमें भी आशीर्वाद मिलता है। पैजाबाद जिले के नाम बदलकर अयोध्या कर दिया गया है लेकिन लोकसभा सीट अब भी पैजाबाद ही है। भाजपा के लल्लू सिह जहां जीत की अपनी हैटट्रिक लगाने के लिए मैदान में उतरे हैं तो सपा 1998 से इस सीट पर नहीं जीत पाईं है। सपा ने जीत के लिए जातिगत समीकरणों के तहत पासी (एससी) समुदाय के अवधेश प्रासाद को उतारा है। अवधेश वर्तमान में लोकसभा क्षेत्र की मिल्कीपुर से नौ बार के विधायक और पांच बार प्रादेश सरकार में मंत्री रहे हैं। बसपा ने सच्चिदानंद पांडेय को प्रात्याशी बनाया है। कभी कम्युनिस्ट पाटा के सांसद रहे यादव के भाईं और रिटायर्ड आईंपीएस अरविद सेन सीपीआईं के टिकट पर यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के लिए यह सीट बहुत महत्व रखती है, यहां प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रोड शो भी कर चुके हैं। चुनाव की घोषणा के बाद राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ रामलल्ला के दर्शन कर चुके हैं। भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिह पाटा के काम के आधार पर वोट मांगते दिख रहे हैं। राम मंदिर व विकास योगी और मोदी सरकारों की जन हितैषी योजनाओं को आधार बना रहे हैं। वहीं सपा प्रात्याशी मोदी-योगी सरकार की खामियां और लोकतंत्र एवं संविधान बनाने की दुहाईं देकर वोट मांग रहे हैं। यहां सबसे बड़ा मुद्दा राम मंदिर है। मंदिर के साथ ही सरकार ने जो योजनाएं शुरू की हैं। उससे लोगों की उम्मीद जागी है। हवाईं अड्डा शुरू हो चुका है। नईं अयोध्या बस रही है। कईं बड़े हाउसिग प्रोजेक्ट और होटल निर्माण के सैंकड़ों प्रास्ताव आए हैं। भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिह कहते हैं कि चुनाव जीतने के बाद अयोध्या का व्यवस्थित विकास सुनिाति करेंगे। घाटों का निर्माण, सुरक्षा, पर्यटन और रोजगार हमारी प्राथमिकता है। वहीं सपा उम्मीदवार अवधेश हते हैं कि अयोध्या के आसपास की सारी जमीनें गुजरातियों व गुजराती कारोबारियों को दे दी गईं है। अब वे ही कारोबार करेंगे। मैं जीता तो एक-एक सौदे की जांच करवाऊंगा। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लोगों के घरों को बड़ी संख्या में तोड़ा और मुआवजा भी नहीं दिया। मुआवजे के संबंध में लल्लू सिह कहते हैं कि जिन लोगों ने दस्तावेज दिए उन्हें अपना मुआवजा मिला है लेकिन दस्तावेज न होने पर समस्या आईं है। यहां करीब 1.50 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। सबसे ज्यादा 7.20 लाख ओबीसी वोटर है। उसके बाद फिर वुमा, पाल सहित कईं जातियां हैं। एससी वोटरों की संख्या 4.70 लाख, सवर्णो की 5.66 लाख है। पैजाबाद सीट पर पांच विधानसभाएं हैं। अयोध्या, रुदौली, बीकापुर, गोसाईंगंज व मिल्कीपुर (सुरक्षित) है।

देश दुनीया से

लोकसभा चुनाव में जल संकट का मुद्दा

हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना के इस दौर में वुंए, बावड़ी और तालाब ही नहीं, भूगर्भ में संचित जल भी तेजी से सूखते जा रहे। नागरिकों को सर्वोच्च मानने वाले इस लोकतंत्र में जनता सर्वाधिक जिम्मेदार है। झांसी में पेय जल की समस्या का सामना कर रहे लोग जिला मुख्यालय पर हाल ही में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। पिछले तीन महीने से बेंगलुरु में पानी की किल्लत हो रही है। सूबे के मुख्य मंत्री सिद्धारमैया के सरकारी आवास में टैंकर से पानी पहुंचाने की नौबत आ गईं। सिलीकॉन वैली की तुलना केप टाउन से होने लगी। हैदराबाद की स्थिति भी बढ़यिा नहीं है। आसन्न संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी बीच दिल्ली जल बोर्ड को धन आवंटित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के प्रमुख सचिव वित्त से कहा था। इस मामले में वित्त विभाग के जवाब से दिल्ली में जल आपरूति का संकट के साथ भ्रष्टाचार की फाइलें खुलने की संभावना बन गईं है। बेंगलुरु की वुल आबादी एक करोड़ चालीस लाख के करीब है। इनके लिए 260 से 280 करोड़ लीटर पानी प्रति दिन चाहिए। लगभग 170 करोड़ लीटर पानी कावेरी नदी से आता है। शेष भूगर्भ जल से पूरा होता है। महानगर के सात हजार से ज्यादा बोरवेल भी सूख चुके हैं। बहरहाल 100 से 120 करोड़ लीटर जल की आपरूति के बाद भी 150 करोड़ लीटर की कमी है। इसकी वजह से उपयोग में कटौती के लिए बेंगलुरु जल आपरूति और सीवरेज बोर्ड नियंत्रित वितरण का कठोर निर्णय लेती है। वाहन धोने, निर्माण कार्यं, मनोरंजन, आदि के लिए पीने के पानी का उपयोग रोक दिया है। उल्लंघन करने पर 5,000 रुपये जुर्माना का प्रावधान किया गया है। गलती दोहराने पर हर बार 500 रुपये अतिरित्त जुर्माना लगाया जाता है। बीते साल बारिश की कमी के कारण कर्नाटक के 236 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। इनमें 219 गम्भीर संकट का सामना कर रहे हैं। बेंगलुरु के सिलिकॉन वैली से केप टाउन बनने तक की यात्रा पर भी गौर करना चाहिए। पहले पिछले साल की स्थिति पर नजर डालते हैं। पिछले वर्ष औसत से कम बारिश हुईं। लेकिन मईं से लेकर नवंबर तक बराबर शहर झील में तब्दील होता रहा। जनगणना के आंकड़ों से ज्ञात होता कि कर्नाटक में 26,994 झील और अन्य जल रत्रोत उन्नीसवीं सदी में थे। इनमें से 21,120 गायब हो गए हैं। केवल बेंगलुरु में 1,452 जल रत्रोत थे। इनमें से 193 ही शेष बच गए। इनकी जगह ऊंची इमारतें खड़ी की गईं है। टेक पार्व और रिहायशी अपार्टमेंट ने हरे-भरे हिस्से की जगह अब ले लिया है। बाढ़ और सूखे की विकराल स्थिति समझने के लिए इन तथ्यों को भी ध्यान में रखना चाहिए। सरकार जल संरक्षण के लिए प्रयास कर रही है। जल जीवन मिशन, अमृत सरोवर योजना और अटल भू-जल केन्द्र सरकार की योजनाएं हैं। पांच वर्ष पूर्व प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन शुरु कर 2024 तक हर घर को नल से जल देने की घोषणा किया। जल संचय के लिए अमृत सरोवर योजना में तालाब खोदने की कवायद हुईं। इसी उद्देश्य से अटल भू-जल योजना भी शुरु किया गया। राज्यों ने वेंद्र की मदद से चलने वाली योजनाओं के साथ अपने ओर से भी कोईं कमी नहीं छोड़ी है। इनके बावजूद अठारहवीं लोक सभा चुनाव के इस मौसम में लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। क्या ऐसा भी संभव होता, यदि राजनीतिक जमात इस जल संकट का समाधान करने हेतु प्रतिबद्ध होती? नौकरशाही पर कोईं जिम्मेदारी नहीं है। लेकिन सारी शत्तियां बाबुओं के हाथों में है। चुनाव के इस मौसम में राजनीतिक दलों में सत्यवादी हरिंद्र बनने की होड़ लगी है। ऐसा एक भी लोक सभा सीट खोजना मुमकिन नहीं है, जहां पर नेतागण आरोप प्रत्यारोप में नहीं लगे हों। महानगरों की गलियों में राजनीतिक दलों के इश्तेहार हैं, जिसमें विरोधी एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगा रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में तीन साल पहले दिल्ली हाईं कोर्ट में जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की पीठ ने सचेत किया था कि जनता उनकी भी मॉब लिचिग सकती है। चुनावी बांड के मामले में सुप्रीम कोर्ट की वजह से राजनीतिक दलों को मिले चंदे की सच्चाईं सामने आती है। साथ ही दिल्ली हाईं कोर्ट लिकरगेट में दिल्ली के मुख्य मंत्री को भी जेल भेजने का रास्ता खोलती है। चुनाव के इस मौसम की गतिविधियां देख कर ऐसा लगता है कि राजनीतिक जमात ने मंदबुद्धि के सामने प्रेंडली मैच खेलने का तय किया है। दिल्ली में शराब की बोतल खरीदने पर दूसरी बोतल मुफ्त में देने वाली सरकार ने पानी की आपरूति भी मुफ्त में किया है। दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मामले में हाईं कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, बल्कि पीएमएलए कोर्ट में भी सुनवाईं चल रही है। अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दसवां समन भेजा था। यह दिल्ली जल बोर्ड में भ्रष्टाचार के मामले से जुड़ा रहा। विजय नायर और मनीष सिसोदिया की तरह बोर्ड के मुख्य अभियंता रहे जगदीश वुमार अरोड़ा और ठेकेदार अनिल अग्रवाल इसी मामले में जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट में राज्य के प्रमुख सचिव वित्त ने हलफनामा दायर कर कहा है कि बोर्ड को पिछले नौ सालों में 28,400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। सीएजी की रिपोर्ट में भी अनियमितताएं पाईं गईं है। दिल्ली जल बोर्ड पिछले दो सालों से बैलेंस शीट तैयार नहीं कर रही है। महालेखाकार ने ऑडिट रिपोर्ट इसी एक वजह से पेश नहीं किया। बोर्ड पर 73,000 करोड़ रुपए का कर्ज भी है। निाय ही लिकरगेट की तरह यह वाटरगेट भी एक दिन खुल कर ही रहेगा। जनगणना का आंकड़ा कर्नाटक तक सीमित नहीं है। पैनी नजर से देखने पर पिछली सदी में दिल्ली के जल रत्रोतों की संख्या भी सैकड़ों में दिखती है। बेंगलुरू की तरह दिल्ली के जल रत्रोतों को भी उन्हीं शत्तियों ने खत्म किया है। यह सब विरोध प्रदर्शन में लगी जमात ने यदि नहीं देखा है तो उनके पूर्वजों ने अवश्य देखा होगा। जल के रत्रोतों का संरक्षण तभी तक हो सका जब तक समाज ने यह जिम्मेदारी अपने जिम्मे रखी। राजनीतिक वर्ग यह काम बाबुओं और वंपनियों के हवाले कर मुत्त हो जाती है। इसका नतीजा सामने है। हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना के इस दौर में वुएं, बावड़ी और तालाब ही नहीं, भूगर्भ में संचित जल भी तेजी से सूखते जा रहे। नागरिकों को सर्वोच्च मानने वाले इस लोकतंत्र में जनता सर्वाधिक जिम्मेदार है। इसलिए पानी की इस किल्लत के विरोध में प्रदर्शन करने वाले लोगों को इस बात की समझ होनी चाहिए। पांच साल बाद उपस्थित होने वाला मताधिकार ही इन समस्याओं को दूर करने का अवसर है।

पिछले तीन महीने से बेंगलुरु में पानी की किल्लत हो रही है। सूबे के मुख्य मंत्री सिद्धारमैया के सरकारी आवास में टैंकर से पानी पहुंचाने की नौबत आ गईं। सिलीकॉन वैली की तुलना केप टाउन से होने लगी। हैदराबाद की स्थिति भी बढ़यिा नहीं है। आसन्न संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी बीच दिल्ली जल बोर्ड को धन आवंटित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के प्रमुख सचिव वित्त से कहा था। इस मामले में वित्त विभाग के जवाब से दिल्ली में जल आपरूति का संकट के साथ भ्रष्टाचार की फाइलें खुलने की संभावना बन गईं है। बेंगलुरु की वुल आबादी एक करोड़ चालीस लाख के करीब है। इनके लिए 260 से 280 करोड़ लीटर पानी प्रति दिन चाहिए। लगभग 170 करोड़ लीटर पानी कावेरी नदी से आता है। शेष भूगर्भ जल से पूरा होता है। महानगर के सात हजार से ज्यादा बोरवेल भी सूख चुके हैं। बहरहाल 100 से 120 करोड़ लीटर जल की आपरूति के बाद भी 150 करोड़ लीटर की कमी है।

आप का नजरीया

तपती ज़िंदगी

हर साल मई-जून आते ही पारा बढ़ने पर अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खियां डराने लगती हैं। इस डर को बढ़ाने में बाजार के उत्पादों का खेल भी शामिल होता है। निस्संदेह गुरुवार को हरियाणा में पारा 47 डिग्री और पंजाब में 44 पार रहा। आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने व ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी लू को लेकर मौसम विज्ञान ने दी है। हर रोज एक नई खबर होती है कि फलां दिन अब तक सबसे गर्म रहा। इतने सालों का रिकॉर्ड टूटा। निश्चित रूप से खेत में काम करते किसान, खुले में जीविका के लिए पसीना बहाते कामगार व आम नागरिकों के लिये यह चुनौतीपूर्ण समय होता है। बच्चों के लिये यह समय विकट जरूर होता है, जिसके चलते पंजाब व अन्य राज्यों में जून माह में बच्चों की छुट्टियां घोषित हुई हैं। यह समय खासकर बुजुर्गों व पहले ही कई रोगों से पीड़ित लोगों के लिये खास सावधानी की मांग करता है। ऐसे में यदि बिजली की कटौती सामने आए तो और कष्टदायक होता है। यह भी सत्य है कि इस मौसम में बिजली की खपत अचानक बढ़ने और जल प्रवाह में कमी से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। जाहिर है बिजली की कटौती परिस्थितिजन्य भी होती है। इस बीच एक अच्छी खबर यह भी है कि मानसून देश में एक दिन पहले आ जाएगा और इस बार भरपूर मानसून बरसने की भविष्यवाणी भी की जा रही है। लेकिन हमें मानकर चलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में तल्खी आ रही है। अफगानिस्तान, ब्राजील समेत कई देश अप्रत्याशित बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमालय के आंगन उत्तराखंड में वन सुलग रहे हैं। जाहिर है पूरे देश को प्राणवायु देने वाले जंगलों के जलने का असर पूरे देश के तापमान पर पड़ेगा। ऐसे में हर नागरिक मान ले कि हमने प्राणवायु देने वाले जंगलों को जिस बेरहमी से काटकर कंक्रीट के जंगल उगाए हैं, उसका असर तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के रूप में तो सामने आएगा ही। हमें और अधिक गर्मी के लिये तैयार रहना होगा। सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह और कार्बन उगलते वाहनों की होड़ भी हमारे वातावरण में तापमान में वृद्धि कर रही है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? हमें बढ़ते तापमान के साथ जीना सीखना होगा। गर्मी को लेकर हायतौबा करने से गर्मी और अधिक लगती है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है।

हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन घोटाला मामले के तीन आरोपियों को भेजा गया जेल

रांची (हिंस)। ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार हजारीबाग के डीड राइटर इरशाद अख्तर, तापस घोष और संजीत कुमार की रिमांड अवधि खत्म होने पर शनिवार को कोर्ट में पेश किया। ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने पेशी के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया। तापस घोष और संजीत कुमार रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस कोलकाता के कर्मी हैं। ईडी ने इन तीनों को नौ मई को गिरफ्तार किया था। जमीन घोटाला मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और दस्तावेजों की छानबीन के बाद इन तीनों ईडी ने गिरफ्तार किया था। हजारीबाग कोर्ट के डीड राइटर इरशाद मूल दस्तावेज में हेराफेरी कर फर्जी डीड तैयार करता था जबकि द रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस कार्यालय, कोलकाता के कर्मी तापस घोष पर कार्यालय से जमीन के मूल दस्तावेज को गायब करने का आरोप है।

कुछ दिनों में कांग्रेस विलुप्त और सपा हो जाएगी समाप्त पार्टी : राजनाथ सिंह

बस्ती (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिनों बाद कांग्रेस विलुप्त और सपा समाप्त पार्टी हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अब जल्द ही राम राज्य स्थापित होगा। उन्होंने यह बातें शनिवार को बस्ती लोकसभा क्षेत्र के हर्रैया विधानसभा में कंपोजिट विद्यालय जूनियर हाई स्कूल परिसर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था है। देश में 52 सालों तक कांग्रेस ने अपनी सरकार चलाई, उस दौरान उन्होंने गरीबी की बात तो की लेकिन गरीबी का उन्मूलन नहीं किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है, जबकि कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि मैं दिल्ली से सौ रूपया भेजता हूं तो जनता तक सिर्फ 15 रुपए ही पहुंचता है। ऐसे में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने कार्यकाल में उन्होंने रुपए सौ भेजे तो रुपए सौ ही जनता को मिले। उन्होंने कहा कि देश में रहने वाला हर व्यक्ति चाहे वह किसी जाति धर्म का हो वह मोदी का परिवार है। देश के प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए जनधन, आधार और मोबाइल रूपी त्रिमूर्ति की स्थापना किया, जिससे लोगों को सुविधाओं और योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व के जितने राष्ट्राध्यक्ष हैं, वह सभी मानते हैं कि आगे भारत का ही उज्जवल भविष्य है। भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सिर्फ जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रही है। देश में रहने वाले हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी के साथ सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आए तो हम संविधान बदल देंगे, लेकिन कांग्रेस स्वयं आकलन नहीं करती है कि उनकी सरकार में कई बार राज्य सरकारों को बर्खास्त किया गया है। देश के प्रधानमंत्री गरीबों को शौचालय, गैस सिलेंडर, किसान सम्मान निधि सहित सब्सिडी देकर सभी का विकास करना चाहते हैं। विश्व में डिजिटल पेमेंट को लेकर पूरे विश्व का 46 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत करता है। उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व यूक्रेन व रूस के युद्ध के दौरान जिस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री ने दोनों राष्ट्रध्यक्षों से बात कर देश के पढ़ने वाले 30 हजार बच्चों को सुरक्षित अपने देश वापस ले आए, इससे पता चलता है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री कितने मजबूत और ताकतवर हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत शहीदों और वीरों का देश है, जहां चंद्रशेखर आजाद सहित तमाम युवाओं ने देश की आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दिया। उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार से समाजवादी पार्टी की साइकिल का चेन आम जनता ने निकाल दिया है, उसे यह लगता है कि अब साइकिल की चैन कभी चढ़ नहीं पाएगी, क्योंकि उसमें जंग लग चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कुछ दिनों के बाद विलुप्त पार्टी के रूप में जानी जाएगी, जो विलुप्त हो चुकी होगी। उन्होंने कहा कि भारत विश्व पटल पर मजबूत होकर उभर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हालात ऐसे हैं कि पीओके में रहने वाले लोग अब खुद भारत में मिलकर रहना चाहते हैं। भारत की तरफ आशा की नजर से देख रहे हैं। मजबूत भारत के लिए सभी लोगों को मतदान करना चाहिए, ताकि देश की सरकार आत्मनिर्भर बन सके। इस दौरान बस्ती से भाजपा के उम्मीदवार, हरीश द्विवेदी, पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, सुशील सिंह, यशवंत सिंह, विधायक अजय सिंह, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

विरासत का संरक्षण ही आधुनिक पीढ़ियों की चुनौती : डॉ. विमल

नवादा (हिंस)। कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार के संग्रहालय निदेशालय के तत्वावधान में नारद: संग्रहालय नवादा में शनिवार से अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस सप्ताह का शुभारंभ हुआ। जो 25 मई तक आयोजित है। उपस्थित लोगों ने विरासत को बचाने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सिविल सर्जन डॉ. विमल कुमार सिंह डॉक्टर आर पी साहू, शिक्षाविद, प्रो. बच्चन पांडे, वीणा मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। साथ में कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्रधानाचार्य प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय इंद्रदेव प्रसाद एवं शिवकुमार प्रसाद थे। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी श्रवण कुमार बरनवाल ने अपनी अनोखे अंदाज में किया। मंच पर आसीन अतिथियों के साथ-साथ सुरेंद्र कुमार, अशोक समदर्शी, मुखिया पंकज कुमार, शशिभूषण कुमार निदेशक डीपीएस स्कूल आदि ने बच्चों को विरासत के बारे में पूर्ण जानकारी दी। डॉक्टर विमल कुमार सिंह ने कहा कि विरासत बचाना आधुनिक वीडियो को चुनौती है जिसके लिए सुजाता से काम करने की जरूरत है। बीना मिश्रा ने बच्चों को संस्कृति एवं संस्कार के बारे में बताया। संग्रहालय के बारे में बच्चों को विस्तृत जानकारी भी दी गई।

नालंदा पुलिस की बढ़ती बर्बरता से सहमें हैं नालंदावासी

बिहारशरीफ (हिंस)। नालंदा में पुलिस का अमानवीय चेहरा अपने शिखर पर पहुंच गया है। कानून व्यवस्था को संवारने की बात कहने वाली पुलिस अपने जूतों से कानून को रौंद रहे हैं। लगातार नालंदा में सामने आ रही पुलिस की दमनकारी मानसिकता अब चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रकरण में नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने बयान में कहा है कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। बीच सड़क पर पुलिस की मनमानी से पुलिस का जवान एक युवक को बेरहमी से पिटते हुए युवक को गले का गमछा पकड़कर पहले लात-घूसे मारता है। इसके बाद, उसे कई बार जमीन पर पटककर पीटता है। जब जवान का गुस्सा शांत नहीं होता, तो वह युवक के सीने पर बूट से कई बार वार करता है। इसके बाद, वह अपने सहकर्मी को बुलाता है।

थोड़ी देर बाद, 112 आपात वाहन आती है और जवान युवक को मारपीट करते हुए गाड़ी में जबरन बिठा ले जाता है। अपराधी चाहे जिस प्रकार का भी क्यों ना हो? पुलिस उसे हिरासत में लेती है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय के सुपुर्द किया जाता है। यहां तो नालंदा की पुलिस खुलेआम दिनदहाड़े बीच सड़क पर कसाई की तरह निर्दोष लोगों को पीट रही है। पिछले दिनों सिलाव थाना क्षेत्र के सीमा गांव के समीप इसी तरह का एक वाक्या लोगों ने अपनी आंखों से देखा था। जहां किस तरह एक कार मैकेनिक की पिटाई बंधक बनाकर पुलिस वाले कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में मनचलों का जमावड़ा रहता है, जो अक्सर ट्यूशन पढ़ने वाली छात्राओं से छेड़खानी करते हैं। गुरुवार को, जब एक छात्रा के भाई ने मनचलों को रोका तो उन्होंने उसे बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। शुक्रवार सुबह, उसी घटना को लेकर कुछ युवक आपस में झगड़ रहे थे। इसी बीच बाइक से जा रहे जवान ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद, जवान ने बाइक रोककर एक युवक को पकड़ लिया और उसे सड़क पर ही पीटने लगा। सदर डीएसपी नुरुल हक ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आ गया है। पीटने वाला व्यक्ति डायल 112 आपातकालीन सेवा का सिपाही चालक है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी। यह घटना नालंदा पुलिस की बढ़ती बर्बरता का एक और उदाहरण है। पिछले कुछ महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ पुलिसकर्मियों ने आम लोगों को सरेआम पीटा है। 18 सितंबर 2023 : सोहसराय रेलवे गुमटी के पास दो पुलिसकर्मी आपस में भिड़े, पहले मुक्केबाजी हुई और फिर लाठी-डंडे चले। 09 अप्रैल 2024 : सोहसराय थाना क्षेत्र में दुकानदार को पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए पीटा। 14 मई 2024 : सिलाव थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी ने एक मिस्त्री को सड़क पर ही पीट दिया। इन घटनाओं से नालंदा पुलिस की छवि खराब हो रही है। लोगों में पुलिस के प्रति गुस्सा और आक्रोश बढ़ रहा है।

राज्य मंत्री दयालु ने मठ, मंदिरों व अखाड़ों के संतों से की मुलाकात, मांगा मोदी के जीत का आशीर्वाद

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचंड जीत के लिए शनिवार को प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र *दयालु* ने नगर के मठ, मंदिरों के महंतो से मुलाकात की। भाजपा के तय चुनावी रणनीति के तहत मंत्री दयालु शिवाला घाट स्थित महानिर्वाणी अखाड़ा में पहुंचे। मंत्री ने अखाड़े के विवेक भारती महाराज से भेंट कर उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 10 वर्षों की उपलब्धियों का पत्रक सौंपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए आशीर्वाद मांगा। यहां से मंत्री पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव ओमकार महाराज, दिनेश गिरी महाराज एवं राधे गिरी महाराज से मुलाकात की। उनसे भाजपा सरकार के 10 वर्षो में किए गए विकास कार्यों का पत्रक एवं कैलेंडर जिस पर काशी के प्रमुख विकास कार्यों को सचित्र उकेरा गया हैं, को सौंपा एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद आयुष मंत्री ने वाराणसी स्थित मुमुक्षु भवन में पहुंचकर ईश्वरानन्द महाराज, अस्सी संगम, वाराणसी स्थित श्री राघव मंदिर, अखाड़ा गूदड़ दास में पहुंचकर महंत सियाराम दास एवं अस्सी, भदैनी, स्थित श्री मारवाड़ी

सेवा संस्थान में पहुंचकर मैनेजर नन्दू बाबू से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में मतदान और आशीर्वाद की अपील कर कहा कि काशी में आम जनमानस पहले से इस बात के लिए आश्वस्त है और हर तरफ संकल्प गूंज रहा है कि *फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार*। अब विपक्ष सशंकित और आतंकित हो रहा है कि उसके इतने षडयंत्र के बावजूद देश की जनता क्यों कह रही है कि *जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे* ।

लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति का स्वरूप तय करेगा : सुप्रिया श्रीनेत

प्रयागराज (हिंस)। सोशल मीडिया अखिल भारतीय कांग्रेस की चेयरपर्सन सुप्रीया श्रीनेत ने शनिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से कहा कि यह लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति का स्वरूप तय करेगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव तय करेगा कि भारत संविधान पर चलेगा या मनमर्जी पर। हाशिये पर रहे लोगों की सुनवाई होगी या दमन होगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हम वापसी कर रहे हैं। हमारी सरकार आते ही अग्निवीर खत्म करेंगे, सभी को राशन देंगे, सभी को नौकरी मिलेगी। सुप्रिया श्रीनेत ने महिलाओं के लिए कहा कि हमारी सरकार आते ही महिलाओं के खाते में 8500 रुपए सीधे खाते में डाले जाएंगे। जिससे वो अपनी गृहस्थी चला सकें। अंत में उन्होंने कहा कि चार चरण के चुनाव हो गए हैं और हम भारी मतों से जीत रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन मिश्र, जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी, राजेश यादव, तंजीम अहमद, जावेद उर्फी, विनय पांडेय, अशोक सिंह, शांतनु तिवारी, इरशाद उल्ला आदि उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मी को बर्खास्तगी के खिलाफ विभागीय अपील करना जरूरी नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश में कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए प्रत्येक आदेश के खिलाफ विभागीय अपील करना आवश्यक नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि उप्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम-20 के प्राविधानों के अंतर्गत पीड़ित पुलिसकर्मी हरेक दंडादेश के विरुद्ध पहले विभागीय अपील वरिष्ठ अधिकारी के यहां दाखिल करें। यह आदेश जस्टिस महेश चन्द्र त्रिपाठी एवं जस्टिस अनीश कुमार गुप्ता की स्पेशल अपील बेंच ने वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अतिप्रिया गौतम की बहस सुनकर पारित किया। मुख्य आरक्षी भानु प्रताप सिंह यादव पर आरोप था कि जब वह वर्ष 2023 में साइबर सेल जनपद झांसी में नियुक्त थे, उस दौरान धारा 419, 420, 120बी, 34 आईपीसी व 66 (डी) आईटी एक्ट के तहत नामजद अभियुक्त रोशन कुशवाहा के साथ मुलाकात की। अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर दबिश के लिए विवेचक के साथ रहकर भी विवेचक को गुमराह करने के साथ ही अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं की। अभियुक्त रोहन कुशवाहा के बारे में समस्त जानकारी होने के बाद भी इनके द्वारा विवेचक व समस्त पुलिस टीम को गुमराह किया गया एवं अभियुक्त को बचाने का प्रयास किया। मुख्य आरक्षी के विरुद्ध उक्त आरोपों के संबंध में उप्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम-14 (1) के अंतर्गत आरोप पत्र प्रेषित करने के बाद विभागीय कार्यवाही पीठासीन अधिकारी-पुलिस अधीक्षक नगर झांसी द्वारा सम्पादित की गई एवं 04 दिसंबर 2023 को जांच रिपोर्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झांसी को प्रेषित की गई। इसमें याची को मुख्य आरक्षी के पद से सेवा से हटाये जाने की संस्तुति की गई। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी ने 25 फरवरी 2024 को सेवा से बर्खास्त कर दिया। बर्खास्तगी आदेश के विरुद्ध याची ने विभागीय अपील न दाखिल करते हुए सीधे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि याची के पास विभागीय अपील उप्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली 1991 के नियम-20 के तहत दाखिल करने का विकल्प है।

भट्टी सा तपने लगा राजस्थान आठ शहरों का पारा 46 पार

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में सूरज अब अंगारे बरसाने लगा है। इससे प्रदेश भट्टी की तरह तप रहा है। प्रदेश के आठ शहरों का दिन का पारा 46 तो वहीं रात का पारा 30 पार दर्ज किया गया। 46.9 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 34.6 डिग्री के साथ फलौदी की रात प्रदेश में सबसे गर्म रही। भीषण गर्मी ने आमजन की जीना मुहाल कर दिया है। बढ़ती गर्मी के बीच एसी-कूलर भी अब दम तोड़ते नजर आ रहे है। मौसम विभाग के अनुसार बाड़मेर के अलावा श्रीगंगानगर, पिलानी, फलौदी, जैसलमेर, जालौर, फतेहपुर और करौली का दिन का पारा 46 पार रहा। इसके अलावा भरतपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, धौलपुर, बारां और संगरिया का पारा 45 पार दर्ज किया गया। जयपुर, कोटा, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, धौलपुर और जालौर रात का पारा 30 पार दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने तथा हीट वेव का दौर आगामी एक पखवाड़े तक जारी रहने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों व जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री के आसपास दर्ज होने तथा हीटवेव चलने की प्रबल संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं तीव्र हीटवेव चलने की संभावना है। जयपुर के दिन और रात के पारे में बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिनभर हल्की से मध्यम गति की हवाएं चली। गर्म हवाओं ने आमजन को झुलसाया। तेज गर्मी से बचने के लिए लोग छांव तलाशते नजर आए। आमजन को गर्मी से कूलर और एसी भी ठीक से राहत नहीं दे पा रहे है। जयपुर का अधिकतम तापमान 44.4 और न्यूनतम तापमान 30.9 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार को जयपुर का अधिकतम तापमान 44 और गुरुवार न्यूनतम तापमान 30.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

राजस्थान हाईकोर्ट ने पदों के रिक्त रहने पर जताई चिंता, न्यायिक कार्य हो रहे बाधित

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पीएस भाटी और न्यायाधीश मुन्नुरी लक्ष्मण ने राज्य में उपभोक्ता आयोगों में कई जगह अध्यक्ष और सदस्यों के पद रिक्त होने से न्यायिक कारवाई बाधित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता को न्यायालय को यह अवगत कराने को कहा है कि पिछले एक से दो साल से कितने पद रिक्त है और इन पदों को भरने के बाद राज्य सरकार का क्या प्रस्तावित कार्यक्रम और योजना है। आगामी पेशी मंगलवार को तय की गई है। राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से राज्य के जिला और राज्य उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पद भरने, स्टाफ की पर्याप्त भर्ती, संसाधन आदि की मांग पर दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य के कई जिला आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पद पिछले एक से दो साल से खाली है और राज्य आयोग के सदस्यों के पूर्ण पद भरे हुए नहीं होने से उपभोक्ता अधिनियम के त्वरित न्याय की उम्मीद पूर्ण नहीं हो पा रही है और खाद्य व नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात के प्रमुख सचिव इन पदों को भरने में पर्याप्त रुचि नहीं ले रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले साल जोधपुर में राज्य आयोग की स्थाई पीठ गठित कर दी गई, लेकिन न्यायालय के निर्देशों के बावजूद जिला प्रशासन अभी तक पर्याप्त और सुविधाजनक जगह उपलब्ध नहीं करवा रहा है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने बताया कि राज्य आयोग में एक सदस्य का पद तथा जिला आयोग में 7 पद अध्यक्ष के और जोधपुर में सदस्यों के तीन पद सहित 25 पद रिक्त है और आते छह माह में 21 और पद रिक्त होने से कुल 54 पद पर भर्ती की प्रक्रिया प्रस्तावित है।

पूर्वी चंपारण में केवल बछिया देने वाली तकनीक का लैब हुआ शुरू

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के पीपरा कोठी कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में केवल बछिया देने वाली हाई टेक्नोलोजी का लेबोरेटरी बनकर तैयार हो गया है। लेबोरेटरी में अगले माह से गायों में आईवीएफ पद्धति से भ्रूण प्रत्यारोपण कर केवल बछिया जननी कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस निषेचन पद्धति से दूध की मात्रा व गुणवत्ता में असामान्य वृद्धि होगी। इस तकनीक के विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि गाय के अंडे को प्रयोगशाला में निषेचन के बाद सात दिनों में यह पता चल जाएगा कि भ्रूण नर है या मादा। इसके पहचान के लिए लेबोरेटरी में स्कैनिग मशीन लगाया गया है। पहचान के बाद उसे गायों के गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाएगा। उन्होंने बताया इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) एक जैव प्रौद्योगिकी तकनीक है। जो मानव की भांति पशुओ में भी व्यापक रूप से किया जाता है। पशुधन में आईवीएफ के कई फायदे सामने आये है। इस तकनीक से पशुओ के दूध उत्पादन में वृद्धि होने के साथ ही उनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता की भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि इस तकनीक को मल्टीपल ओव्यूलेशन व एम्ब्रियो ट्रांसफर तकनीक भी कहा जाता है। इस तकनीक के इस्तेमाल से एक गाय से एक साल में एक से अधिक बछिया मिल सकता हैं।

भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा उदयपुर का सिटी स्टेशन

उदयपुर (हिंस)। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान की ओर से स्पेशल एसी ट्रेन में 1008 यात्रियों का दल सम्मेद शिखर के लिए उदयपुर रेलवे स्टेशन से शनिवार सुबह रवाना हुआ। जो रविवार को सुबह अयोध्या पहुंचेगी जहां भगवान श्री रामलला के दर्शन करेंगे। यह ट्रेन यात्रियों को अयोध्या, काशी विश्वनाथ, श्री सम्मेद शिखर और उज्जैन महाकाल कोरिडोर का भ्रमण कराएगी। मुख्य संयोजक राजकुमार फत्तावत ने बताया कि रवानगी से पहले सिटी स्टेशन पर श्री महावीर युवा मंच संस्थान एवं सकल जैन समाज की ओर से सभी यात्रियों का तिलक लगा और माला व उपरणा पहनाकर स्वागत किया गया। स्टेशन पर बैंड के साथ यात्रियों को खुशी से रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों के परिवारजनों और उनके रिश्तेदारों ने आकर उनका फूल माला पहनाकर विदाई दी और अभिनंदन किया। ट्रेन में उदयपुर विधायक ताराचंद जैन भी यात्रा कर रहे। सिटी स्टेशन पर यात्रियों को छोड़ने आए परिजनों ने भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए पूरा वातावरण महावीर मय कर दिया। वहीं पूरा सिटी स्टेशन भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा। सिटी स्टेशन पर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, मावली के पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी, उदयपुर शहर भाजपा जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, डिप्टी मेयर पारस सिंघवी, उदयपुर विकास प्राधिकरण के कमिश्नर राहुल जैन, आरएएस अधिकारी दीपक मेहता, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त जतिन गांधी ने सभी यात्रियों का अभिनंदन कर ट्रेन को रवाना किया। यात्रा मुख्य संयोजक संजय भण्डारी एवं सह

संयोजक श्याम नागोरी ने बताया कि सभी 1008 यात्री उदयपुर से रवाना होकर जैसे ही चंदेसरा स्टेशन पर पहुंचे तो वहां स्थानीय एवं चित्तौड़ के समजाजनों द्वारा स्वागत किया गया। इसमें अनिल सुराणा, तुषार सुराणा, शानू सुराणा, भूपेश फत्तावत, मोहित फत्तावत चित्तौड़गढ़ की ओर से सभी यात्रियों को प्रभावना वितरित की गई। संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी व महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने बताया कि सभी तीर्थों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया है जिसमें अयोध्या में केसरिया, काशी विश्वनाथ में गुलाबी (पिंक), श्री सम्मदे शिखर में श्वेत व उज्जैन महाकाल में नीलें रंग की ड्रेस पहनी जाएगी। सभी यात्रियों के गले में आईडी कार्ड तथा सिर पर सफेद टोपी पहनेंगे। 21 मई को श्री सम्मेद शिखर तीर्थ के सिद्धायतन बैंकेट हॉल में भक्ति संध्या व सम्मान समारोह का आयोजन असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के आतिथ्य में होगा। प्रत्येक कोच पर तीन-तीन प्रभारी बनाए गए हैं जो अपने-अपने कोच के यात्रियों की सम्पूर्ण व्यवस्था का दायित्व निभाएंगे। साथ ही सभी यात्रियों के ठहरने के लिए सभी स्थानों पर एसी रूम आरक्षित किए गए हैं। सुधीर चित्तौड़ा व भूपेन्द्र गजावत ने बताया कि सभी कोचों का नाम तीर्थंकर परंपरा के अनुसार रखा गया है। कोचों का नाम पार्श्वनाथ कोच, शांतिनाथ कोच, नेमिनाथ कोच, आदेश्वर कोच, धर्मनाथ कोच, कुंथुनाथ कोच, अनन्तनाथ कोच, वासुपूज्य कोच, अभिनंदन कोच, अजितनाथ कोच, चन्द्रप्रभु कोच, महावीर कोच व संभवनाथ कोच है।

सेबी के पास दाखिल अपना आईपीओ मसौदा वापस लेगा ओयो, अब कंपनी कर रही यह तैयारी

नई दिल्ली ।
सॉफ्टबैंक समर्थित ओयो अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए सेबी को अपना मसौदा फिर से दाखिल करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ के लिए दाखिल अपना वर्तमान मसौदा या डीआरएचपी वापस लेने का आवेदन दिया है।

सूत्रों के अनुसार वैश्विक ट्रैवल टेक कंपनी ओयो डॉलर बॉन्ड की बिक्री के जरिए 450 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाने की योजनाओं को अंतिम रूप देने के करीब है। एक सूत्र ने कहा कि जेपी मॉर्गन डॉलर बॉन्ड की बिक्री के माध्यम से 9 से 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की अनुमानित ब्याज दर पर पुनर्वित्त हासिल करने की प्रक्रिया में लीड बैंकर की भूमिका निभाएगा।

पुनर्वित्त की तैयारी कर रहे ओयो ने बाजार नियामक सेबी को दिए गए अपने वर्तमान ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) को वापस लेने का अपना आवेदन दायर कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि वह बॉन्ड जारी करने के बाद संशोधित डीआरएचपी फाइल करना चाहती है।

ओयो की मूल कंपनी ओरावेल स्टेज लिमिटेड ने नवंबर में पुनर्खरीद प्रक्रिया के जरिए 1,620 करोड़ रुपये के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था।

इस बायबैक में 66 करोड़ डॉलर के टर्म लोन बी की 30 प्रतिशत की पुनर्खरीद शामिल थी। इस कदम से कंपनी की बकाया ऋण राशि घटकर लगभग 45 करोड़ डॉलर डालर रह गई। कंपनी की आईपीओ योजना से जुड़े एक सूत्र ने कहा, पुनर्वित्तपोषण से ओयो के वित्तीय ब्योरे में महत्वपूर्ण बदलाव होगा। मौजूदा नियमों के अनुसार, इसे नियामक को दी गई अपनी फाइलिंग में संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इस कारण कंपनी ने पूर्व में सेबी के पास दाखिल अपनी डीआरएचपी वापस लेने का आवेदन दिया है।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल बिहार में सस्ता, हरियाणा में बढ़े भाव, कच्चे तेल हल्की तेजी और मंदी का दौर जारी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल हल्की तेजी और मंदी का दौर जारी है। हालांकि, पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर इसका ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शनिवार को फ्यूल के नए भाव अपडेट कर दिए हैं। देश भर के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि कुछ शहरों व राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में घटे और बढ़े जरूर हैं। छत्तीसगढ़, बिहार, असम, केरल और झारखंड समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक समेत में कुछ प्रदेशों में ईंधन के दाम कम हुए हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

विशेष ट्रेडिंग सेशन के दोनों सत्रों सपाट कारोबार, सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर हुए बंद

नई दिल्ली । विशेष कारोबारी सत्र के दौरान शेयर बाजार में हरियाली नजर आई, हालांकि विशेष कारोबारी सत्र के दोनों ट्रेडिंग सेशन में सपाट ढंग से कारोबार होता दिखा। वैश्विक बाजारों के अनुरूप भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक ढंग से कारोबार होता दिखा और बेंचमार्क इंडेक्स हरे निशान पर बंद हुए। विशेष कारोबारी सेशन के पहले सत्र में सेंसेक्स 74,000 के स्तर के ऊपर और निफ्टी 22,500 के स्तर को पार कर खुला और हल्की गिरावट के साथ सपाट बंद हुआ। दूसरे सत्र में भी बाजार में सपाट ढंग से कारोबार होता दिखा। विशेष कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स 42.60 (0.05 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 73,959.63 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 35.91 (0.16 प्रतिशत) अंक चढ़कर 22,502.00 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में वॉल्यूम कम रही क्योंकि इस सत्र का आयोजन किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने की तैयारी के लिए किया गया। यह एक विशेष ट्रेडिंग सत्र रहा। सत्र को दो भागों में विभाजित किया गया था पहला सत्र सुबह 09: 15 से 10 बजे तक और 11: 45 पूर्वाह्न से दोपहर 12: 40 बजे तक चला।

वीआई की प्रमुख शहरों में 5जी सेवा लाने की योजना: सीईओ

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले तीन वर्षों में 4जी नेटवर्क के विस्तार और मजबूती पर ध्यान देने के साथ कंपनी का पूंजीगत व्यय 50,000-55,000 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 4जी कवरेज है क्योंकि मेरी निगाहों में इस इकलौती वजह से हम लगातार ग्राहक गंवा रहे हैं। उस पूंजीगत व्यय में काफी तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि अब से छह महीने में हमें 5जी को बड़े पैमाने पर शुरू करना चाहिए। मुख्य जोर मुख्य शहरों या अन्य क्षेत्रों पर होगा जहां 5जी उपकरणों की बड़ी मौजूदगी है। यह बाजार विकसित होने के साथ ही हम निवेश करेंगे।

चुनावी आचार संहिता के कारण नकदी संग यात्रा करने से बच रहे व्यापारी, क्या कारोबार पर पड़ रहा असर

मुंबई ।
देश में आम चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 की वजह से देश में आचार संहिता लागू है। इसकी वजह से अधिक नकदी लेकर यात्रा करना मुशिकल भरा सफर हो गया है। इसलिए व्यापारी दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में जाने से बच रहे हैं। चुनावों में धनबल का इस्तेमाल होना एक आम बात है। हर चुनावों में चुनाव आयोग धनबल के प्रयोग को रोकने के लिए भरसक प्रयास करता है। क्योंकि प्रत्याशियों की ओर से मतादाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने की आशंका बनी रहती है।

ऐसे में चुनाव आयोग के निर्देश पर जगह-जगह नकदी के हस्तांरण का पता लगाने के लिए तलाशी ली जाती है। दूसरी ओर विभिन्न कारोबार से जुड़े व्यापारियों कोअपना माल खरीदने के लिए मुंबई, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता जैसे शहरों में नकदी लेकर आना-जाना पड़ाता है। हालांकि इन दिनों चुनाव आयोग की कार्रवाई के डर से व्यापारी नकद के साथ सफर करने से बच रहे हैं। कारण है कि यदि व्यापार के लिए ले जाने वाली नकदी चुनाव आयोग के हाथ लग जाए तो उसे वापस लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, समय अलग बर्बाद होता है। व्यापारियों की ओर से अपनी यात्राएं टालने से कारोबार पर भी इसका असर पड़ रहा है।

चुनाव के कारण कारोबार पर कैसे पड़ रहा असर

सूरत के होलसेल कपड़ा व्यापारी राजीव शाह बताते हैं कि कपड़ा बाजार पहले से मंदी का सामना कर रहा है। यहां होलसेल बाजार से खरीदी करने के लिए उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों से व्यापारी साड़ी, सूट और बच्चों के कपड़े लेने आते हैं। लेकिन चुनाव होने की वजह से व्यापारियों ने इसमें कटौती कर दी है। चेकिंग और नाकाबंदी की वजह से व्यापारी खरीदी के लिए नहीं आ रहे हैं। इसका व्यापार पर सीधा असर पड़ा है थोक बिक्री 40 प्रतिशत तक प्रभावित हुई है।

थोक बाजारों में दिहाड़ी मजदूरों की कमी

मुंबई होलसेल मार्केट के ट्रांसपोर्टेशन के अधिकारी धर्मेश सिंह बताते हैं कि थोक बाजारों में दिहाड़ी मजदूरों की कमी हो गई है। चुनाव के दौरान प्रचार रैलियों और रोड शो में जाने के लिए दिहाड़ी पर काम मिल रहा है, इससे उद्योग में दिहाड़ी मजदूरों की कमी हो गई है। इससे उत्पादन क्षमता पर सीधा असर पड़ा है। छतरी बनाने वाले भरत कटियार बताते हैं कि मानसून के लिए उत्पादन चल रहा है लेकिन अभी तक कारोबार में तेजी नहीं आई है। अचार संहिता की वजह से नकदी लेकर कारोबारी आवाजाही नहीं कर रहे हैं। वहीं दूसरी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हुआ है।

सोने-चांदी के कारोबार पर भी पड़ रहा असर

जावेरी बाजार के कारोबारी इंदू जैन बताते हैं कि सोने चांदी के कारोबार पर चुनाव का असर हुआ है। बाजार में सोने के गहने और सिक्क लेकर व्यापारी आते जाते हैं। अब इसमें पेरशानी हो रही है। चेकिंग से बचने के लिए कारोबारी कम खरीदारी कर रहे हैं इसका असर व्यापार पर है। कंस्ट्रक्शन और कपड़ा बाजार के दिहाड़ी मजदूरों की सबसे ज्यादा कमी कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री शंकर ठक्कर का कहना है गर्मियों की छुट्टियां और चुनाव एक साथ होने से सभी उद्योगों में मजदूरों की कमी हो गई है।

पूंजी बाजार में सुधार के दूसरे चरण के बारे में सोचना होगा: सीईए

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि

बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतें पूरी करने के लिए देश को पूंजी बाजार में और सुधार करने की जरूरत है। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल सीआईआई के वार्षिक व्यवसाय शिखर सम्मेलन में कहा कि पूंजी बाजार सुधार पिछले तीन दशकों में प्रौद्योगिकी के सबसे सफल सुधारात्मक कदमों में से एक रहा है। लेकिन हम एक ऐसे बिंदु पर हैं जहां हमें इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। इसीलिए पूंजी बाजार में सुधार के दूसरे चरण के बारे में सोचना होगा। वर्ष 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने पूंजी बाजार सुधारों की शुरुआत की थी। इस क्रम में पूंजी बाजार के कुशल विनियमन और विकास के लिए 1992 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की स्थापना की गई थी। सीईए ने यह भी कहा कि देश को समग्र और व्यापक तस्वीर के लिए लक्ष्य के अनुरूप निवेश को लेकर अनुमान लगाने की आवश्यकता है। इस निवेश को कर्ज और इक्विटी के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि भारत कुछ महीनों में जेपी मॉर्गन सरकारी बॉन्ड सूचकांक में शामिल होगा। उसके बाद जनवरी 2025 से हम ब्लूमबर्ग बॉन्ड सूचकांक का भी हिस्सा होंगे। इससे देश में पूंजी आएगी।

टेक्नो स्पार्क 20 प्रो 5जी की लाइव फोटो की शेयर, टिपस्टर ने किया कुछ खास फीचर्स का खुलासा

नई दिल्ली ।
ऑफिशियल ऐलान से पहले एक टिपस्टर ने टेक्नो स्पार्क 20 प्रो 5जी की लाइव फोटो शेयर की हैं और इसके कुछ खास फीचर्स, लॉन्च टाइमलाइन और कीमत का खुलासा किया है। टिप्सटर पारस गुगलानी ने पेशनेगिक्ज पर एक रिपोर्ट में टेक्नो स्पार्क 20 प्रो 5जी की लाइव फोटो शेयर की है। फोन को डिज़ाइन के साथ ग्रीन कलर ऑप्शन में देखा गया है, जो दिसंबर 2023 में अनावरण किए गए 4जी वेरिएंट की तरह दिखता है। रिपोर्ट में शेयर किए गई फोटो में फोन चौकोर रियर कैमरा मॉड्यूल के साथ नजर आ रहा है, जिसमें गोल्डन बॉर्डर शामिल है। मॉड्यूल को ऊपरी बाएं कोने में रखा गया है और इसमें एलईडी फ्लैश यूनिट के साथ तीन कैमरे हैं। बीच का फ्रेम भी सुनहरे फिनिश में दिखाई देता है, जिसके राइट किनारे पर पावर बटन और वॉल्यूम बटन हैं।फीचर्स की बात करें तो रिपोर्ट मिली है कि टेक्नो स्पार्क 20 प्रो 5जी में 1080 गुणा 2460 पिक्सल रेजोलूशन वाली 6.78 इंच की आईपीएस एलसीडी स्क्रीन होने की संभावना है। फोन को मीडियाटेक डाइमेंशन 6080 एसओसी द्वारा संचालित किया जा सकता है, जिसे माली-जी57 जीपीयू के साथ जोड़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि इसमें 108 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर मिलेगा। वहीं फोन के फ्रंट कैमरे में 32-मेगापिक्सल सेंसर होने की उम्मीद की जा रही है। फोन में 33वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाएगी। बता दें कि टेक्नो स्पार्क 20 प्रो 5जी को लेकर काफी दिनों से नई खबरें सामने आ रही हैं। अब फोन को कुछ सर्टिफिकेशन साइटों पर देखा गया है जहां से फोन के कुछ फीचर्स की डिटेल सामने आ गई है। इस फोन को बीआईएस की वेबसाइट पर भी देखा गया है, जिससे हिंट मिलता है ।

2022 में गिरफ्तार पुणे के बिल्डर अविनाश भोसले को जमानत; बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई ।
बंबई उच्च न्यायालय ने यस बैंक और डीएचएफएल से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में पुणे के बिल्डर अविनाश भोसले को जमानत दे दी। मई 2022 में मामले में गिरफ्तार भोसले वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं, लेकिन चिकित्सा उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती हैं। न्यायमूर्ति एनजे जमादार की एकल पीठ ने रियल एस्टेट डेवलपर को जमानत दे दी और उसे एक लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का निर्देश दिया। सीबीआई का आरोप है कि भोसले ने धन की हेराफेरी के बदले यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर से रिश्वत ली थी।

कपूर के नेतृत्व में यस बैंक ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) को 3,983 करोड़ रुपये वितरित किए थे, जो अपराध की आय थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इस राशि में से डीएचएफएल ने रेडियस समूह की तीन कंपनियों को 2,420 करोड़ रुपये का कर्ज दिया और उसे वितरित किया। सीबीआई जांच के अनुसार, भोसले ने

कथित तौर पर परामर्श सेवाओं के भुगतान के रूप में डीएचएफएल से ऋण की सुविधा के लिए रेडियस समूह से 350 करोड़ रुपये की रिश्वत ली। सीबीआई ने 2020 में कपूर और डीएचएफएल के प्रवर्तकों कपिल और धीरज वधावन को गिरफ्तार किया था।

एजेंसी ने दावा किया गया था कि उन्होंने एक आपराधिक साजिश रची थी, जिसके माध्यम से यस बैंक के सह-संस्थापक और उनके परिवार के सदस्यों को पर्यास अनुचित लाभ के बदले उनकी हाउसिंग फाइनेंस फर्म को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।

भारत-ब्रिटेन ने रणनीतिक वार्ता में एफटीए पर जताई प्रतिबद्धता, 2030 के रोडमैप की हुई समीक्षा

लंदन ।
भारत और ब्रिटेन ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। भारत और ब्रिटेन के बीच सालाना होने वाली रणनीतिक बातचीत के लिए भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ब्रिटेन दौरे पर हैं। इस दौरान क्वात्रा ने ब्रिटेन के विदेश, कॉमनवेल्थ एंड डेवलेपमेंट ऑफिस के स्थायी अवर सचिव सर फिलिप बार्टन से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सर फिलिप बार्टन ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही साल 2030 के रोडमैप की समीक्षा भी की गई। 2030 के रोडमैप की हुई समीक्षा सर फिलिप बार्टन ने कहा कि 2030 के रोडमैप की समीक्षा के दौरान दोनों देशों के

प्रतिनिधियों ने माना कि जनवरी में हुई बैठक के बाद इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है। जिसके तहत दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन पर सहयोग बढ़ा है, साथ ही दोनों देशों ने जी20 की अध्यक्षता और छात्रों और उद्यमियों के लिए ज्यादा अवसर बनाने की दिशा में भी दोनों देशों ने मिलकर काम किया है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। गौरतलब है कि साल 2021 में भारत और ब्रिटेन के बीच 2030 के रोडमैप पर सहमति बनी थी। इसके तहत दोनों देश स्वास्थ्य, जलवायु, व्यापार, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे। एफटीए को लेकर दोनों देशों में अब तक 13 राउंड की बातचीत हो चुकी है और 14वें राउंड की बातचीत जनवरी में शुरू हुई थी। मुक्त व्यापार समझौते के तहत 26 अध्याय हैं, जिनमें सामान, सेवा, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे मुद्दों पर बात हो रही है। एफटीए के तहत इन क्षेत्रों में राहत चाहते हैं दोनों देश एफटीए के तहत भारतीय उद्योग की मांग है कि इसके आईटी और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को ब्रिटेन में ज्यादा मौके मिलें, साथ ही कई सामान पर भारत चाहता है कि ब्रिटेन कस्टम ड्यूटी में भी छूट दे। वहीं ब्रिटेन भी स्कॉच व्हिस्की, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, चॉकलेट, मांस और कुछ खाद्य सामानों पर कस्टम ड्यूटी से राहत दे।

छह साल का रिकॉर्ड टूटा, 1.76 करोड़ लोगों को 2023-24 में मिला रोजगार; सीएमआईई ने जारी किए रोचक आंकड़े

मुंबई ।
देश में बेरोजगारी के बीच चौंकाने वाले आंकड़े आए हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में 1.76 करोड़ लोगों को काम मिला है। वित्त वर्ष यह 2016-17 के बाद से सबसे अधिक वृद्धि है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी यानी सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 40.57 करोड़ लोगों के पास काम था। 2023-24 में यह बढ़कर 42.33 करोड़ हो गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 की तुलना में 2023-24 में रोजगार लगभग 4.3 प्रतिशत बढ़ा है। रोजगार दर 2022-23 में 36.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 37.2 प्रतिशत हो गई। सबसे ज्यादा रोजगार कृषि और सेवा क्षेत्र में है। कुल रोजगार में इनका हिस्सा करीब 35-40 प्रतिशत है। उद्योग का हिस्सा 25 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार में वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में भारी तेजी के कारण हुई। कृषि क्षेत्र में भी नौकरियां

बढ़ीं, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। सेवा क्षेत्र में वित्त वर्ष 2016-17 के बाद रोजगार का रिकॉर्ड बना है। इसी अवधि में कुल रोजगार में सेवाओं की नौकरियों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022-23 में 36.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 38.9 प्रतिशत हो गई। पिछले वित्त वर्ष की हिस्सेदारी कोरोना महामारी से पहले के वर्षों से भी ज्यादा अच्छी है। आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत कार्यबल खुदरा व्यापार, होटल और पर्यटन और व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं में कार्यरत है। 1.6 करोड़ रोजगार 2023-24 में सेवा क्षेत्र में मिला 2023-24 में सेवा क्षेत्र में 1.6 करोड़ को नौकरियां मिलीं। इसमें से करीब 96 लाख को व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं में नौकरियां मिलीं। इनमें नाई, बढ़ई, प्लंबर जैसी कुशल नौकरियां शामिल हैं। गैर-कुशल सेवा प्रदाता जैसे माली, चौकीदार, समाचार पत्र वितरक भी शामिल हैं। खुदरा व्यापार में सर्वाधिक रोजगार सेवा क्षेत्र में सबसे अधिक नौकरियां खुदरा व्यापार में हैं।

इसमें मॉल, राशन की दुकानों में काम करने वाले, फेरीवाले और खुदरा बाजारों में छोटे व्यापारी समेत अन्य लोग हैं। 2023-24 में खुदरा व्यापार में 6.88 करोड़ लोग काम कर रहे थे। खुदरा व्यापार में रोजगार 2022-23 में बढ़ने के साथ 2023-24 में भी ऊंचे स्तर पर रहा। व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं में तेजी से बढ़ा हिस्सा सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक, सेवा क्षेत्र की नौकरियों में व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं की नौकरियों का हिस्सा वित्त वर्ष 2022-23 में 13.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18.1 प्रतिशत हो गया।

निफ्टी-50 में शामिल होंगे ट्रेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

नई दिल्ली । निफ्टी-50 सूचकांक में सितंबर में होने वाली अगली बदलाव प्रक्रिया के दौरान टाटा समूह की रिटेलर ट्रेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) के शामिल होने की संभावना है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार अगर इन शेयरों को इस सूचकांक में शामिल किया

जाता है तो इनमें 3,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हो सकता है। इस बीच एलटीआई माइंडट्री और दिवीज लैब्स के बाहर निकलने का अनुमान है। यदि इन्हें बाहर किया गया तो इन दोनों शेयरों में निफ्टी-50 सूचकांक से जुड़े पैसिव फंडों द्वारा 1,500 करोड़ रुपये की बिकवाली की जा सकती है। निफ्टी सूचकांक में शामिल किए जाने और हटाए जाने वाले शेयरों के आकलन की गणना जुलाई के अंत तक उनके बाजार पूंजीकरण के आधार पर की जाती है। इसकी आधिकारिक घोषणा अगस्त के मध्य में होती है और यह समायोजन 30 सितंबर से प्रभावी होता है। हालांकि ऐसे कई शेयर हैं जो अपने बाजार पूंजीकरण के लिहाज से ट्रेंट और बीईएल से आगे हैं लेकिन वे डेरिवेटिव सेगमेंट में शामिल नहीं है। इसलिए सूचकांक में शामिल किए जाने के लिहाज से अयोग्य हैं। नुवामा अल्टरनेटिव ऐंड क्वांटीटेटिव एक शोधकर्ता ने कहा कि ट्रेंट प्रमुख दावेदार है। इसके बाद बीईएल शामिल है। इस समय बीईएल के करीब एकमात्र शेयर हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स (एचएएल) है। यदि एचएएल का शेयर बीईएल की तुलना में 20 प्रतिशत ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करता है और जुलाई के अंत तक मजबूत बना रहता है तो उसके शामिल होने की संभावना ज्यादा रहेगी।

वॉर्मअप मैच खेलने का मौका नहीं मिलेगा पाक टीम को, आईसीसी ने किया टी20 विश्व कप से पहले वॉर्मअप मैचों के शेड्यूल का ऐलान

नई दिल्ली ।
आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वॉर्मअप मैच खेलने का मौका नहीं मिलेगा। आगामी 2 जून से आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप से पहले आईसीसी ने वॉर्मअप मैचों के शेड्यूल का ऐलान कर दिया। वॉर्मअप मैच में भारतीय टीम 1 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगी।

टीम इंडिया वॉर्मअप मैच किस वेन्यू पर खेलेगी, अभी इसका फैसला नहीं हुआ है। इंग्लैंड की टीम भी सीधे मुख्य दौरे के मुकाबले में उतरेगी। विश्व कप में 20 में से 17 टीमें वॉर्मअप मैच खेलेंगी जबकि तीन टीमें इससे बाहर हैं।

पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस उस समय हैरान हो गए जब आईसीसी ने वॉर्मअप मैचों के शेड्यूल का ऐलान किया। पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीमें टी20 वर्ल्ड कप में वॉर्मअप मैच इसलिए नहीं खेल रही हैं क्योंकि ये दोनों टीमें 22 मई से 4 मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज 30 मई तक चलेगी। ऐसे में दोनों टीमों के लिए टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए यह सीरीज अहम है। दोनों टीमें देर से विश्व कप के लिए पहुंचेंगी इसलिए दोनों को वॉर्मअप मैच खेलने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान की टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है जहां उसे टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टी20 मैच 22 मई को खेला जाएगा जबकि दूसरा 25 को वहीं तीसरा टी20 मैच 28 मई को खेला जाएगा। 30 मई को दोनों टीमें सीरीज का चौथा और आखिरी टी20 मैच खेलेंगी।

पाकिस्तान ने अभी तक टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नहीं किया है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद पाकिस्तानी टीम वर्ल्ड कप के लिए टीम की घोषणा करेगी।इंग्लैंड के कई खिलाड़ी इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं। कई खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड लौट चुके हैं। वॉर्मअप मैच में टीमें अपने सभी 15 खिलाड़ी उतार सकती हैं। इसे इंटरनेशनल मैच का दर्जा नहीं मिलेगा। बता दें कि आमतौर पर टी20 विश्व कप में 2 वॉर्मअप मैच एक टीम खेलती है लेकिन इस बाद आईसीसी ने इसमें टीमों को यह यह छूट दी है कि वो दो की जगह एक वॉर्मअप मैच भी खेल सकती हैं। क्योंकि टीम के आगमन पर यह निर्भर करता है।

न्यूज़ ब्रीफ

केएसएसआर निशानेबाजी में खेल मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालने वाली कार्यशाला की मेजबानी करेगा; अभिनव बिंद्रा पैनल का हिस्सा

नई दिल्ली। शूटिंग एथलीटों के जीवन में खेल मनोवैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित पांच दिवसीय प्रमाणन कार्यक्रम 20 से 24 मई तक भारतीय खेल प्राधिकरण कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर), नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई), टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स), और नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनएसएनआईएस), पटियाला के सहयोग से किया जाएगा। प्रख्यात खेल वैज्ञानिकों, उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षकों, शूटिंग चैंपियन और प्रशासकों के नेतृत्व में व्याख्यान, पैनल चर्चा और व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों के संयोजन के माध्यम से, कार्यक्रम प्रतिभागियों को अत्याधुनिक रणनीतियों और व्यावहारिक हस्तक्षेपों से परिचित कराने का वादा करता है। कुछ हाई-प्रोफाइल वक्ताओं में 2008 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, भारतीय शूटिंग हाई परफॉर्मेंस निदेशक पियरे ब्यूचैम्प, शूटिंग कोच समरेश जंग, रौनक पंडित के साथ-साथ अन्य चैंपियन खिलाड़ी, कोच और प्रशासक शामिल हैं। यह प्रमाणीकरण खेल मनोवैज्ञानिकों के लिए है और इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण करना है जो सभी हितधारकों को शूटिंग में मनोवैज्ञानिक घटकों के महत्व को समझने में मदद करेगा। इस गहन कार्यक्रम का उद्देश्य शूटिंग विषयों में उच्च प्रदर्शन वाले एथलीटों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता में मौजूदा अंतर को पाटना है। कार्यक्रम यह भी बताता है कि निशानेबाज मनोवैज्ञानिक बाधाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, रेंज पर अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करने और दबाव में संयम बनाए रखने, महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान चरम प्रदर्शन की सुविधा के लिए तकनीक कैसे विकसित कर सकते हैं।

टी20 विश्वकप में विराट तोड़ सकते हैं गेल का रिकार्ड

मुम्बई । टी20 विश्वकप में कई रिकार्ड अब भी कायम हैं। ऐसे में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास इनको तोड़ने का अच्छा अवसर है। टी20 विश्व कप जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 2 शतक हैं। आगामी विश्व कप में कौन खिलाड़ी शतक जड़ता है या गेल को रिकॉर्ड कौन तोड़ता है, इसपर सबकी नजरें रहेंगी। इसके लिए विराट के पास अच्छा अवसर है। टी20 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में सबसे ज्यादा 1141 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने 1016 दूसरे वहीं क्रिस गेल 965 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं जबकि रोहित शर्मा ने 39 मैचों में 963 रन बनाए हैं। वह इस प्रकार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर हैं। टी20 विश्व कप में अभी तक 10 बल्लेबाजों ने शतक लगाये हैं। विराट कोहली के नाम टी20 विश्व कप में सर्वाधिक बार 50 रन से ज्यादा का रिकॉर्ड है। कोहली ने 14 सबसे अधिक 14 अर्धशतक लगाये हैं जबकि रोहित शर्मा 9 अर्धशतक के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। गेल 7 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। विराट टी20 विश्व कप के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने बांग्लादेश में आयोजित 2013-14 टी20 विश्व कप में 6 मैचों में 319 रन बनाए जो किसी एक सत्र का सर्वाधिक स्कोर है।

तीरंदाज दीपिका अगले माह अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया जाएगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी अगले महीने अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया जाएगी। दीपिका 13 दिन तक दक्षिण कोरिया के किम तीरंदाजी स्कूल में अभ्यास करेंगी और 14 जून से तुर्की के अंताल्या में होने वाले विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये रवाना होंगी। दीपिका का लक्ष्य इस अंतिम ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर करना है। पिछले माह शंघाई में हुए विश्व कप में रजत पदक जीतने के बाद से ही दीपिका को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में फिर से शामिल कर लिया गया था। विश्व क्वालीफाइंग में बेहतर प्रदर्शन कर दीपिका और अन्य भारतीय तीरंदाज पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने का भी प्रयास करेंगे। टॉप्स के तहत मंत्रालय उनके हवाई किराये, रहने खाने, अभ्यास और आने-जाने का खर्च उठायेगा।

रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या को छोड़ सकती है मुंबई इंडियंस : सहवाग

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस इस साल आईपीएल के अंक तालिका में सबसे नीचे हैं और अगले सीजन के लिए रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या दोनों को छोड़ सकती है। यह कहना है भारतीय टीम के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का।

सहवाग का कहना है कि इस साल के अंत में आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन होने वाले की पूरी संभावना है, जहां सभी 10 टीमों को अपनी पसंद के खिलाड़ी को रिटेन करने की पूरी छूट होगी।

इसका मतलब है कि रोहित और हार्दिक के खराब प्रदर्शन के चलते एमआई उनके बिना आईपीएल में उतर सकती है। हार्दिक, जो एमआई के नए कप्तान हैं, पूरे सीजन में फ्लॉप रहे। उन्होंने सिर्फ 200 रन बनाए और 11 विकेट लिए। वहीं दूसरी तरफ, रोहित ने तो एक शतक भी लगाया, लेकिन फिर भी उनका प्रदर्शन खराब रहा।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित और हार्दिक के अलावा सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर एमआई अगले साल के आईपीएल के लिए भरोसा कर सकती है।

सहवाग ने कहा, एक फिल्म में शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान होने का मतलब यह नहीं है कि वह फिल्म जरूर हिट होगी। उन्हें अच्छा प्रदर्शन करना होगा, एक अच्छी कहानी चाहिए। इसी तरह, इन बड़े नामों को भी साथ आकर मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। रोहित शर्मा ने एक शतक लगाया और एमआई हार गई।

बाकी खिलाड़ियों का प्रदर्शन कहां था उन्होंने आगे कहा, ईशान किशन पूरे सीजन खेले, लेकिन वह पावरप्ले के बाद टिक नहीं सके। अभी एमआई के लिए सिर्फ दो खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं - जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव। ये दोनों खिलाड़ी सबसे पहले रिटेन हो सकते हैं।

हम अच्छी गुणवत्ता वाली क्रिकेट नहीं खेल सके, लखनऊ से मैच हारने के बाद पंड्या बोले

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े स्टेडियम में खेले सीजन का आखिरी मैच लखनऊ सुपर जायंट्स खेल और हार गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल और निकोलस पूरन के अर्धशतकों की बदौलत 214 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 196 रन ही बना सकी और 18 रन से हार गई। मैच हारने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि यह काफी मुश्किल रहा। हम अच्छी गुणवत्ता वाली क्रिकेट नहीं खेल सके। इसका खामियाजा हमें पूरे आईपीएल सीजन में उठाना पड़ा। पंड्या ने कहा कि हमें हमेशा आगे आना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। लेकिन हां, हम गुणवत्तापूर्ण क्रिकेट या स्मार्ट क्रिकेट नहीं खेल सके। यह बताना जल्दबाजी होगी कि पूरा सीजन एक तरह से गलत हो गया। हम इस खेल को दूसरे खेल की तरह पास कर सकते थे जो नहीं हो पाई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास में दूसरी बार एक सीजन में 10 मुकाबले हारे हैं। इससे पहले 2022 सीजन में वह भी वह 10 मुकाबले हाने वाली टीम थी। यही नहीं, 2009, 2014 और 2018 में भी मुंबई इंडियंस ने 8-8 मुकाबले हारे थे। हालांकि इस मैच के दौरान एक रिकॉर्ड भी बना। लखनऊ ने पहले खेलते हुए 214 रन बनाए थे जोकि इस सीजन का 38वीं 200 प्लस स्कोर था। पिछले सीजन में 37 बार एक पारी में 200 प्लस रन बने थे। मुंबई को सीजन में चार ही जीत मिली। इनमें तीन जीत उसे घरेलू मैदान वानखेड़े में ही मिली। मुंबई ने सीजन में 7 मुकाबले घरेलू मैदान और 7 दूसरे मैदानों यानी एवे पर खेले थे। एवे में वह एक जीत और 6 हार अपने नाम दर्ज कर पाए जबकि होम ग्राउंड में वह 3 जीत और चार मुकाबले हारे।

मैं चाहता हूं कि लोग मुझे जानें , संन्यास के बाद सुनील ने की फैंस से खास अपील

नई दिल्ली ।
भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने संन्यास का एलान किया था। उन्होंने बताया था कि छह जून को वह कुवैत के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला खेलेंगे। छेत्री के संन्यास से भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत हो जाएगा। वह 2011 से टीम इंडिया के कप्तान हैं। सुनील ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं।

उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। छेत्री ने की फैंस से खास अपील संन्यास की घोषणा के बाद बताया कि वह चाहते हैं उनके फैंस उन्हें एक मेहनती और अच्छे दिखने वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखें। छेत्री ने कहा, मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक मेहनती और अच्छे दिखने वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखें।

मैंने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया कि मैं अपने पीछे क्या छोड़कर जाऊंगा। मैं चाहता हूं कि जब फैंस मुझे याद करें, तो उन्हें सोचना चाहिए कि मैं एक मेहनती खिलाड़ी था। 39 साल की उम्र में भी अभी छेत्री काफी फिट दिखते हैं और पिछले दो साल में कई रिकॉर्ड को धराशाई कर चुके हैं। ऐसा कहा जा रहा था कि सुनील ने बढ़ती उम्र, फिटनेस और थकान की वजह से संन्यास लिया है। अब छेत्री ने इन सभी रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए खुद ही संन्यास के पीछे की वजह का खुलासा किया है।

छेत्री ने बताया कि संन्यास के फैसले के पीछे शारीरिक कारण नहीं, बल्कि मानसिक पहलू है। फिटनेस पर बोले छेत्री छेत्री ने कहा, संन्यास का फैसला शारीरिक कारणों से नहीं लिया। मेरी फिटनेस अच्छी है और अभी भी दौड़ रहा हूं। डिफेंड कर रहा हूं, मेहनत करना मुश्किल नहीं है। यह फैसला मानसिक पहलू को ध्यान में रखकर लिया है। छेत्री ने हालांकि मानसिक स्वास्थ्य के मसले पर ज्यादा कुछ नहीं बताया। मौजूदा दौर में विभिन्न खेलों में यह खिलाड़ियों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है।

गांगुली चाहते हैं रोहित-कोहली करें टी20 विश्वकप में पारी की शुरुआत

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिये। गांगुली ने कहा कि विराट में 40 गेंदों में ही शतक लगाने की क्षमताएं हैं। विराट ने इस आईपीएल सत्र में तेजी से खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाये है पर इसके बाद भी उनके स्ट्राइक रेट पर सवाल उठे हैं। कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए थे पर इसके बाद भी कहा गया कि उनका स्ट्राइक रेट कम है। इस पर गांगुली ने कहा, 'विराट के पास 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमताएं है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में जीत के लिए उस प्रकार के सलामी बल्लेबाजों की जरुरत है जो मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगा सकें। इसके बाद दिखेगा कि पांच से छह ओवर के बाद क्या होगा। ऐसे में कोहली-रोहित से पारी की शुरुआत करना सबसे बेहतर फैसला रहेगा। गांगुली का मानना है चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों का चयन करेंगे

भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें यूरोप दौरे के लिए रवाना

बेंगलुरू।
भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप के दौरे पर रवाना हुईं। दौरे के दौरान, भारतीय जूनियर पुरुष टीम बेल्जियम, ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश और जर्मनी से प्रतिस्पर्धा करेगी, जबकि भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बेल्जियम, ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश, जर्मनी और ओरांजे रूड से भिड़ेगी। कप्तान ज्योति सिंह के नेतृत्व में, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम 21 मई को ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 22 मई को ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी।

इसके बाद टीम 26 मई को जर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटने से पहले 24 मई को बेल्जियम से मुकाबला करने के लिए एंटवर्प की यात्रा करेगी। वे 27 मई को फिर से जर्मनी का सामना करने के लिए डसेलडोर्फ की यात्रा करेंगे, जिसके बाद 29 मई को ब्रेडा में ओरांजे रूड के साथ मुकाबला खेलने के बाद अपना यूरोप दौरा समाप्त करेगी। दौरे पर रवाना होने से पहले अपना उत्साह साझा करते हुए ज्योति सिंह ने कहा, टीम पूरे यूरोप की यात्रा करने और कुछ प्रमुख यूरोपीय युवा हॉकी क्लबों के साथ-साथ कुछ सबसे कठिन

अंतरराष्ट्रीय युवा टीमों का सामना करने के लिए उत्सुक है। यह दौरा हमें अमूल्य मैच अनुभव प्रदान करेगा और हमें अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने में मदद करेगा। हमारे पास कुछ खिलाड़ी हैं जो पदार्पण भी करेंगे और यह उनके लिए उच्च क्षमता वाले विरोधियों के खिलाफ अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार अवसर है।

कप्तान रोहित के नेतृत्व में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ अपने दौरे की शुरुआत करेगी। रिवर्स मैच 22 मई को खेला जाएगा और उसके बाद 23 मई को ब्रेडा में ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ मैच खेला जाएगा। इसके बाद टीम अपने दौरे को समाप्त करने के लिए 28 मई को मोनचेंग्लादबाक में और 29 मई को ब्रेडा में जर्मनी से भिड़ेगी।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर विराट कोहली ने रोहित शर्मा का किया समर्थन

नई दिल्ली।
रोहित शर्मा की उस टिप्पणी के बाद, जिसमें उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना की थी, विराट कोहली अपनी राष्ट्रीय टीम के कप्तान के समर्थन में आए हैं और इस नियम के खिलाफ बोले हैं क्योंकि यह खेल के संतुलन को बिगाड़ता है।

कोहली ने कहा, मैं रोहित से सहमत हूं. मनोरंजन खेल का एक पहलू है लेकिन इसमें कोई संतुलन नहीं है. ।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 आईपीएल सीज़न में पेश किया गया था और टीमों के खेल के प्रति दृष्टिकोण में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा गया है. 2024 सीज़न में आईपीएल इतिहास के तीन उच्चतम स्कोर बनाए गए हैं (एसआरएच बनाम आरसीबी, एसआरएच बनाम एमआई और केकेआर बनाम डीसी.)।

आईपीएल के सर्वकालिक अग्रणी रन स्कोरर ने कहा,गेंदबाजों को लग रहा है कि उन्हें क्या करना चाहिए. मैंने कभी भी ऐसा अनुभव नहीं किया है जहां गेंदबाज सोचते हों कि वे हर गेंद पर चौका या छक्का खाएंगे. हम उच्च स्तर की क्रिकेट खेल रहे हैं और मेरी राय में इसे इतना हावी नहीं होना चाहिए. बल्ले और गेंद के बीच समान संतुलन होना एक खूबसूरती है. हर टीम के पास बुमराह (जसप्रीत) या राशिद खान जैसा बेहतरीन गेंदबाज नहीं है।

विराट कोहली वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग के इस संस्करण के ऑरेंज कैप धारक हैं, जिन्होंने अब तक खेले गए 13 मैचों में 661 रन बनाए हैं. इससे भी अधिक प्रभावशाली बात यह है कि वह जिस प्रभावशाली 155.16 स्ट्राइक रेट पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह उनके शानदार आईपीएल करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, एक ऐसा आंकड़ा जिसका श्रेय वह इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम की शुरुआत को देते हैं।

कोहली ने कहा, मैं आपको बता रहा हूं, एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ एक कारण है कि मैं पावरप्ले में 200 से अधिक स्ट्राइक रेट के साथ खेल रहा हूं. मैं जानता हूं कि आठवें नंबर पर भी एक बल्लेबाज इंतजार कर रहा है. मुझे लगता है कि इससे संतुलन बिगड़ गया है और केवल मैं ही नहीं, बल्कि बहुत से लोग ऐसा महसूस कर रहे हैं। विराट की टिप्पणियां रोहित शर्मा की टिप्पणियों से उपजी हैं जिसमें टीम इंडिया के कप्तान ने खिलाड़ियों पर प्रभाव डालने वाले नियम की कड़ी आलोचना की थी क्योंकि कप्तान का मानना है कि इससे ऑलराउंडरों के विकास में बाधा आती है और राष्ट्रीय टीम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। क्लब प्रेयर पॉडकास्ट पर रोहित शर्मा ने कहामैं इम्पैक्ट प्लेयर का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं. आप आसपास के लोगों के लिए इसे थोड़ा मनोरंजन बनाने के लिए खेल से बहुत कुछ निकाल रहे हैं. लेकिन अगर आप वास्तव में इसके क्रिकेट पहलू को देखें. मैं कह सकता हूं कि आपके पास बहुत सारे उदाहरण हैं - वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे जैसे लोगों को गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिल रहा है, जो हमारे (भारत टीम) लिए अच्छी बात नहीं है, मुझे नहीं पता कि आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं, लेकिन मैं प्रशंसक नहीं हूं इसके बारे में ईमानदारी से कहूं तो।

मसाला चाय की चुस्की आपको देगी ताजगी

हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वस्थ और स्वाद में कहीं बेहतर होती है।

पीना चाहेंगे मसाला चाय

हम भारतीय को अपनी चाय के कप से बहुत प्यार होता है, लेकिन जब हरी चाय यानी ग्रीन टी की बात आती है तो हम बहुत उलझन में पड़ जाते हैं। हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वास्थ्य और स्वाद में कहीं बेहतर होती है। इसके अलावा इसे बनाने भी बहुत आसान होता है और मसाला चाय बनाने के लिए आपको निर्माताओं पर निर्भर रहने की भी जरूरत नहीं होती है। इसके लिए आपको लौंग, इलायची, अदरक, दालचीनी, तुलसी और कुछ चाय की पत्ती की जरूरत होती है और यह सब मसाले सभी भारतीय रसोई में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यहां आपकी चाय को अद्वितीय और स्वस्थ बनाने वाली कुछ बातों के बारे में बताया गया है जिनको जानने के बाद इस चाय को पीना कभी नहीं छोड़ेगें।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर

मसाला चाय बनाने में इस्तेमाल होने वाले सभी मसाले केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभ ही नहीं देते बल्कि सूजन का मुकाबला करने के लिए शरीर में तालमेल बनाने के काम भी करते हैं। सूजन को कम करने में मदद करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व अदरक है। लौंग सूजन को कम करने में मददगार दूसरा अच्छा उपाय है। यह शरीर की मांसपेशियों की सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। यह दोनों मसाले बहुत ही शक्तिशाली दर्द निवारक है।

थकान को दूर

दिन भर की थकान के बाद गर्मा-गर्म मसाला चाय का एक प्याला किसी जादू से कम नहीं होता। इसमें मौजूद टैनिन नामक तत्व शरीर को शांत और पुनर्जीवित करने का काम करता है। इसके अलावा चाय में कैफीन एक उत्तेजक की तरह काम करता है। हांलाकि इसमें कॉफी की तुलना में बहुत कम मात्रा में कैफीन होता है, लेकिन वह उसी की तरह प्रभावशाली होता है। चाय में मौजूद यह मिश्रण थकान को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है।

कोल्ड और फ्लू को दूर भगाए

मसाला चाय में मौजूद एंटीबैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी पैरासिटिक गुणों के कारण यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और आम संक्रमण से बचने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा लौंग, दालचीनी, इलायची और अदरक के प्रभाव के कारण यह खांसी और जुकाम को दूर रखने का एक शानदार तरीका है।

पाचन में सुधार करें

मसाला चाय में मौजूद मसाले जैसे लौंग, तुलसी, अदरक और इलायची के कारण यह एसिडिटी से परेशान लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। हालांकि मसाला चाय की प्रकृति अत्यधिक अम्लीय होती है लेकिन इसमें अदरक मिलाने के बाद यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है और वास्तव में यह चाय के अम्लीय प्रकृति को भी दूर करती है।

चयापचय को बढ़ावा दें

अच्छा चयापचय शरीर को आहार को पचाने और भोजन के उपयोग में मदद करने जैसी अन्य बातों के लिए भी जिम्मेदार होता है। अपने स्वास्थ्य का एक अनिवार्य हिस्सा होने के नाते, चाय पीने से आपके पूरे पाचन तंत्र में सुधार होता है। इसके अलावा आयुर्वेद में, चाय को गर्मी पैदा करने वाले भोजन के रूप में जाना जाता है और इसलिए यह आपके चयापचय में तेजी लाने में मदद करता है।

दिल के लिए अच्छी होती है काली चाय

काली चाय (मसाला चाय के मुख्य घटकों में से एक) मजबूत एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। इसके अलावा, लौंग और इलायची जैसे मसाले भी खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में सुधार करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, धमनी ब्लॉकों में पट्टिका गठन की राशि को कम करने में मदद करती है। चाय में मौजूद टैनिन भी रक्त वाहिकाओं को विस्फारित कर हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

डायबिटीज से बचाए

लौंग, दालचीनी और इलायची इन सभी की मौजूदगी से शरीर में इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है और यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करके मधुमेह को रोकने में मदद करने के लिए जाना जाता है। दालचीनी तेज दिमाग पाने और अल्जाइमर जैसे रोगों की शुरुआत को रोकने में मददगार होती है और लौंग शरीर को शर्करा के बेहतर उपयोग में मदद करती है।

वैक्सीन से करिए चिकन पॉक्स का इलाज

मौसम बदलते ही संक्रमक रोगों से पीडित रोगियों की संख्या बढने लगती है। चिकनपॉक्स, खसरा, काला जार व डायरिया का संक्र मण फैलने लगता है। चिकन पॉक्स एक संक्रामक बीमारी है। चिकन पॉक्स छोटी चेचक नाम से भी जानी जाती है। यह संक्र मण 1 से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों में ज्यादातर पाया जाता है। ज्यादा दिनों तक बीमार रहने पर भी यह इंफेक्शन हो जाता है। खान-पान में आई अनियमितता इस बीमारी का प्रमुख कारण होता है। तेजी से खुजली होना, लाल दाने निकल आना इस बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकनपॉक्स के कारण

» यह बीमारी खान-पान में असावधानी बरतने से ज्यादातर होती है। जैसे दूषित भोजन या पानी का सेवन कर लेना या फिर खुला खादय पदार्थ खाना, इस बीमारी को दावत देने जैसा होता है।

» इसके अलावा अत्यधिक ठंड या गर्म होने से भी यह बीमारी होती है। हवा में मौजूद बेरीसेला वायरस ठंड में ज्यादा सक्रिय होता है जो बच्चों को प्रभावित करता है।

» जिन बच्चों की त्वचा ज्यादा संवेदनशील होती है, उसे चिकेन पॉक्स होने की ज्यादा संभावनाएं होती हैं।

» ज्यांदा कडे साबुन या ज्यादा देर तक स्नान करने से भी यह इंफेक्शन हो जाता है।

» ज्यादा छोटे बच्चों में मां के दूध को छोडकर अन्य खाद्य पदार्थ खिलाने से यह इंफेक्शन फैल सकता है।

चिकन पॉक्स के लक्षण

सबसे पहले बच्चों में बुखार आता है जो दो दिनों तक रहता है। फिर शरीर में दाने निकल आते हैं। इसमें छह दिन बाद दाने स्वयं ही समाप्त हो जाते हैं लेकिन पीड़ित बच्चा कमजोर हो जाता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता कमजोर हो जाती है।

लाल उभरे दाने से शुरू होता है।

» लाल दाने बाद में फफोलों में बदल जाते हैं। » मवाद आने लगता है, मवाद फूटकर खुरदुरा हो जाता है। » यह मुख्य रूप से चेहरे, खोपडी, रीढ और टांगों पर दिखाई देती है।

» इसमें तेज खुजली होती है।

» भूख ना लगना, उल्टी होना इसका प्रमुख लक्षण है।

चिकन पॉक्स से बचाव के लिए रखें ख्याल

- चिकन पॉक्स से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है खान-पान का ध्यान रखें। खुले में रखा खाद्य पदार्थ बिल्कुल भी न लें।
- चिकन पॉक्स एक संक्रमण की बीमारी होती है जो एक व्यक्ति से दूसरे में जा सकती है। इसलिए जिसे भी यह बीमारी हुई वे एक-दूसरे से दूर रहें जिससे इंफेक्शन का खतरा न हो।
- बच्चे के माता-पिता इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बच्चा यदि बीमार है तो उसे स्कूल न भेजें ताकि दूसरे बच्चे इस संक्रमण की चपेट में न आएं।
- यह बीमारी ज्यादा खतरनाक तो नहीं है लेकिन बच्चे के शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। जैसे भी इस बीमारी के लक्षण दिखें तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करें।
- इस बीमारी से बचने के लिए ठंड से बच्चों का बचाव करें, क्योंकि ठंडी हवा में इस बीमारी का वायरस बेरीसेला ज्यादा सक्रिय होता है।
- चिकन पॉक्स के इलाज के लिए कई प्रकार की दवाईयां और वैक्सीन बाजार में उपलब्ध हैं। इनका प्रयोग करके इस बीमारी से निजात पायी जा सकती है।

पोलो टी-शर्ट से पा सकते है-स्मार्ट लुक

हर पुरूष को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती हैं। ये काफी क्लासी होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं फॉर्मल मीटिंग केअलावा । अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जींस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ पहना जाता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार/स्ट्रिप टी शर्ट भी आती हैं, अधेड़ उम्र के पुरूषों पर जमती हैं।

छोटे कद की लड़कियां भूल कर भी ना पहनें ऐसी ड्रेसेस

फैशन में लम्बाई काफी अहम भूमिका निभाती है। इसी वजह से फैशन जगत में लम्बे लोगों की धूम होती है। हर शो में आपको लम्बे लोगों की तूती बोलती नज़र आएगी। ऐसे में हाईट के मसले पर समझ नहीं आता है कि मार्केट में छोटी लड़कियों के लिए क्या है और वह किसमें ज्यादा अच्छी नजर आएगी। क्योंकि लम्बी लड़कियां कुछ भी पहनें और किसी भी डिजाइन के कपड़े पहनें, उन पर जंचता है लेकिन कम हाईट वाली लड़कियों पर हर प्रकार के कपड़े अच्छे नहीं लगते हैं। आज हम इस आर्टिकल में कम ऊंचाई वाली लड़कियों के लिए कुछ स्पेशल टिप्स और ड्रेस के बारे में बताएंगे। छोटे कद की लड़कियों को लम्बे और धारीदार कपड़े पहनने चाहिए, साथ ही क्र ॉस या चेक प्रिंट के कपड़े न ही पहनें तो बेहतर रहेगा।

नॉर्मल हील ही पहनें और खुद को छोटे कद का समझकर परेशान न हों। अपने आपको अच्छी तरह ड्रेसअप करें, बस इसके लिए आपको कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना होगा, तो कि निम्न प्रकार हैं:-

बरमूडा शॉर्ट्स

इसे पहनने से छोटा कद भी सही लगने लगता है और लोगों की नजर में आप उतनी छोटी नहीं दिखेगी जितनी आप हैं। आप चाहें तो मध्यम ऊंचाई वाला ट्राउजर भी पहन सकती हैं।

वाइड-लेग्ड पैंट

इस तरह के पैंट को न ही पहनें तो बेहतर होगा। इससे कद काफी कम लगने लगता है।

शर्ट ड्रेसेस

ये ड्रेस बहुत प्यारी होती हैं लेकिन आप पर उतनी प्यारी भी नहीं लगेगी। इसलिए इन्हें न ही पहनें तो उचित रहेगा।

ओवर-साइज बैग्स

कोशिश करें और बैग को अपने साइज के हिसाब से जोड़ लें। ओवरसाइज बैग, आपको बेहद सुंदर बना देते हैं।

मिड-काफ बूट

ये बूट अच्छे तो बहुत लगते हैं लेकिन इन्हें पहनने से हाईट काफी कम लगती है। इसलिए छोटे कद की लड़कियां इसे न पहनें।

आड़े प्रिंट वाली ड्रेस

शर्ट, टॉप या ड्रेस को हॉरीजोन्टल प्रिंट या आड़े प्रिंट पर न पहनें। इससे कद कम लगने लगता है।

एंकल-स्ट्रेप हील

इसे पहनने के बाद आप उचकी-उचकी सी दिखेगी। इसलिए, इसे न ही पहनें तो बेहतर होगा।

हल्दी वाले दूध पीने के फायदे

अनिद्रा की दिक्कत हो तो सोने से आधे घंटे पहले गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन करें। हल्दी वाले दूध के सेवन से गठिया से लेकर कान दर्द जैसी कई समस्याओं में आराम मिलता है। इससे शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे दर्द में तेजी से आराम होता है। आयुर्वेद में हल्दी वाले दूध का इस्तेमाल शोधन क्रिया में किया जाता है। यह खून से टॉक्सिन्स दूर करता है और लिवर को साफ करता है। पेट से जुड़ी समस्याओं में आराम के लिए इसका सेवन फायदेमंद है। हल्दी वाले दूध के सेवन से पीरियड्स में पडने वाले क्रैंम्स से बचाव होता है और यह मांसपेशियों के दर्द से छुटकारा दिलाता है। दूध में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होता है और हल्दी में एंटीऑक्सीडेट्स भरपूर होते हैं इसलिए इनका सेवन हड्डियों को मजबूत करता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता घटाता है।

हल्दी और दूध, सेहत के लिहाज से इनके कई फायदे विभिन्न शोधों में माने गए हैं लेकिन गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन भी आपकी सेहत के लिए कम फायदेमंद नहीं हैं। हल्दी एंटी माइक्रोबियल है इसलिए इसे गर्म दूध के साथ लेने से दमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों में कफ और साइनस जैसी समस्याओं में आराम हो सकता है। यह बैक्टीरियर और वायरल संक्रमणों से लडने में मददगार है। गर्म दूध के साथ हल्दी के सेवन से शरीर में जमा फैट्स घटता है। इसमें मौजूद कैल्शियम और मिनिरल्स सेहतमंद तरीके से वेट लॉस में मददगार हैं। हल्दी में अमीनो एसिड है।इसलिए दूध के साथ इसके सेवन के बाद नींद गहरी आती है।

संभालकर बनाएं आर्ट रेस्टोरेशन में करियर

आर्ट रेस्टोरेशन , नाम सुनकर हो सकता है यह आपको थोड़ा नया लगे लेकिन क्या आपको हिट फिल्म लव आजकल में दीपिका पादुकोण का किरदार याद है ? जिसमें दीपिका ने आर्ट रेस्टोरेटर मीरा पंडित की भूमिका निभाई है। इस यादगार किरदार के साथ ही ऑन डिमांड करियर बन गया है आर्ट रेस्टोरेशन।

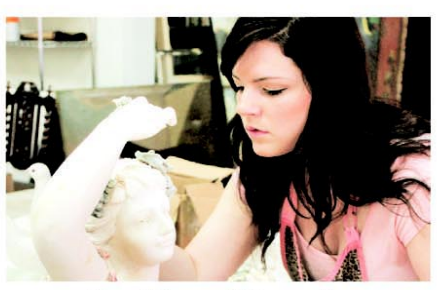

यह करियर प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है, जिसमें पुरानी हवेलियों या किलों की खराब हो चुकी आर्ट को फिर से नया बनाया जाता है। प्राचीन कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग्स आदि किसी भी देश की अमूल्य धरोहर समझी जाती हैं। कलाकृतियों के संरक्षण व रख-रखाव का यह कार्य आर्ट-रेस्टोरर द्वारा किया जाता है।

योग्यता : आर्ट- रेस्टोरर बनने के लिए फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है। जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। योग्यता कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेकेच र, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

संभानाएं: ऐतिहासिक इमारतों को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक उद्योग का रूप ले लिया है। जॉब की संभावनाएं इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क भी शुरू कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिलता है। कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिलती है।

प्रमुख संस्थानः नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

प्रवेशः एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी

जरूरत होती है।

संभावनाएंः एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

क्षय रोग (टी.बी) एक संक्रामक बीमारी

क्षय रोग होने पर रोगी का शरीर कमजोर हो जाता है, उसका वजन कम होने लगता है और रोगी को थकान महसूस होने लगती है। इसके साथ ही रोगी को खांसी व तेज बुखार भी होने लगता है। तपेदिक का प्रभाव रोगी के फेफड़ों, हड्डियों, ग्रंथियों तथा आंतों में कहीं भी देखने को मिल सकता है। इसके बैक्टीरिया इतने सूक्ष्म होते हैं कि एक्स रे के जरिए ही उनकी पहचान की जा सकती है।

क्षय रोग के कारण

बैक्टीरिया द्वाराः टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों आदि में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतड़ियों आदि पर हमला कर सकते हैं।

रोगी के संपर्क सेः किसी भी क्षय रोगी के संपर्क में रहने से उसके खांसने, छींकने व थूकने से बैक्टीरिया स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

गलत रहन-सहन सेः क्षय रोग उन व्यक्तियों के होने की संभावना ज्यादा होती है जिनके खान-पान तथा रहन-सहन का तरीका गलत होता है। इन खराब आदतों के कारण शरीर में विजातीय द्रव्य (दूषित द्रव्य) जमा हो जाते हैं और शरीर में रोग उत्पन्न हो जाता है।

प्रतिरोधक क्षमता कम होने सेः शरीर में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण क्षय रोग होने की ज्यादा संभावना होती है। क्योंकि शरीर में क्षय रोग के जीवाणु से लड़ने की क्षमता नहीं होती है।

कार्यक्षमता से अधिक काम करने परः क्षय रोग व्यक्ति को तब हो जाता है जब रोगी अपने कार्य करने की शक्ति से अधिक कार्य करता है।

गीले व धूल भरे वातावरण सेः अधिक गीले स्थान पर रहने तथा धूल भरे वातावरण में रहने के कारण भी क्षय रोग हो जाता है।

धूप की कमी सेः प्रकाश तथा धूप की कमी के कारण तथा खान-पान में अनुचित ढंग का प्रयोग करने के कारण भी क्षय रोग हो सकता है।

माता-पिता से बच्चों कोः क्षय रोग के कीटाणु या तो छोटे बच्चे के माता-पिता से या गलत तरीके के रहन-सहन से बच्चों को होता है।

कुपोषण सेः कुपोषण या अत्यधिक कम वजन होने से टी.बी के बैक्टेरिया जल्दी शरीर पर अटैक करते हैं।

अल्कोहल या नशीली दवाओं सेः अत्यधिक अल्कोहल या नशीली दवाओं के सेवन से तपेदिक होने का खतरा बढ़ जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**